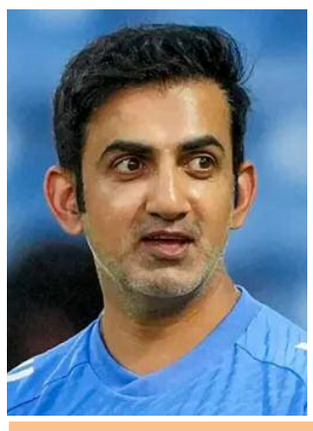

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

इंग्लैंड में जिस तरह की क्रिकेट खेली, वह गर्व की बात : गौतम गंभीर -पेज: 7

वॉर 2 में क्या नहीं हैं वाणी कपूर? मेकर्स के सामने रखी थी ये शर्त... -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 111 | बुधवार 30 जुलाई 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

उनके पास से मेड इन पाकिस्तान चॉकलेट मिली', पहलगाम के आतंकियों का कैसे हुआ सफाया: अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में बताया कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के दोषियों को सुरक्षाबलों ने ऑपरेशन महादेव के तहत मार गिराया। मारे गए आतंकियों में लश्कर-ए-तैयबा का टॉप कमांडर सुलेमान भी शामिल था जो हमले का मास्टरमाइंड था।

नई दिल्ली (एजेंसी): जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के दोषियों को सुरक्षाबलों ने मार गिराया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 'ऑपरेशन महादेव' के तहत सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने तीन खतरनाक आतंकियों को ढेर कर दिया। इनमें से एक लश्कर-ए-तैयबा का टॉप कमांडर था। गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में बताया कि मारे गए आतंकियों के नाम सुलेमान, अफगानी और गिबरान हैं। तीनों लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े थे और 'ए-लिस्ट' आतंकियों की सूची में शामिल थे। सुलेमान ही पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड था। मारे गए तीनों मुख्य आतंक उन्होंने कहा, "जो लोग बैसरन घाटी में हमारे नागरिकों की हत्या के जिम्मेदार थे वे तीनों अब मारे जा चुके हैं।" गृह मंत्री ने सुरक्षाबलों को इस सफल ऑपरेशन के लिए बधाई दी। उन्होंने बताया कि पहलगाम हमले के कुछ ही घंटों के बाद वे खुद श्रीनगर पहुंचे और लगातार दो दिन तक सुरक्षा समीक्षा बैठक की। 22 मई को खुफिया एजेंसी को सूचना मिली कि ये आतंकी दचिगाम इलाके में छिपे हुए हैं। इसके बाद आईबी और सेना ने आतंकियों की बातचीत को ट्रैक करने के लिए खास मशीनों का इस्तेमाल किया। 22 जुलाई को पुष्टि हो गई कि आतंकी इसी इलाके में हैं। इसके बाद सेना, सीआरपीएफ और पुलिस ने मिलकर ऑपरेशन शुरू किया और तीनों आतंकियों को ढेर कर दिया। कैसे की गई आतंकियों की पहचान? अमित शाह ने बताया कि आतंकियों के मारे जाने के बाद उनकी पहचान पक्की करने के लिए कई कदम उठाए गए। जिन लोगों ने इन आतंकियों को छिपाया था, उन्हें पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था। जब आतंकियों के शव श्रीनगर लाए गए, तो गिरफ्तार किए गए लोगों से पहचान करवाई गई। इसके अलावा, आतंकियों के पास से जब्त राइफल एक एम9 और दो एके-47 को चंडीगढ़ की फॉरेंसिक लैब भेजा गया है। वहां उन्हीं राइफलों से फायरिंग कर बुलेट शेल्स निकाले गए और उनकी तुलना पहलगाम हमले की जगह से मिले गोलियों से की गई। दोनों गोली मेल खा गई। 'मेड इन पाकिस्तान चॉकलेट बरामद' अमित शाह ने कहा कि 100 प्रतिशत पुष्टि हो चुकी है कि आतंकियों के पास से मिले हथियार ही पहलगाम में इस्तेमाल हुए थे। उन्होंने कहा, इन तीनों आतंकियों के पाकिस्तान से आने के पक्के सबूत हैं। दो आतंकियों के पाकिस्तानी वोटर आईडी नंबर मिले हैं और उनके पास से पाकिस्तान में बनी चॉकलेट्स भी बरामद हुई हैं। अमित शाह ने चिदंबरम पर साधा निशाना उन्होंने पूर्व गृह मंत्री पी. चिदंबरम पर निशाना साधते हुए कहा कि वे इस बात पर सवाल उठा रहे हैं कि आतंकी पाकिस्तान से आए थे या नहीं। शाह ने कहा, "पूरा देश और दुनिया जानती है कि य पाकिस्तानी थे, फिर भी कुछ लोग पाकिस्तान का बचाव कर रहे हैं। यह देशहित के खिलाफ है।"

धर्म पता चल गया इसलिए दुखी हो, लोकसभा में अमित शाह और अखिलेश यादव के बीच जोरदार बहस

नई दिल्ली (एजेंसी): केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ऑपरेशन सिंदूर को लेकर लोकसभा को संबोधित कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने सोमवार को जम्मू-कश्मीर में ऑपरेशन महादेव के तहत मारे गए तीन आतंकवादियों का जिक्र किया है। अमित शाह ने कहा कि ये कल 'ऑपरेशन महादेव' में सुलेमान, अफगान और जिब्रान नाम के तीन आतंकवादी सेना, सीआरपीएफ और जम्मू कश्मीर पुलिस के संयुक्त अभियान में मारे गए। सुलेमान, लश्कर ए तैयबा का ए श्रेणी का कमांडर था। पहलगाम और गगनगीर आतंकी हमले में लिप्त था, इसके बहुत सारे सबूत हमारी एजेंसियों के पास हैं। अफगान और जिब्रान भी ए ग्रेड के आतंकवादी थे। अखिलेश यादव पर साधा निशाना केंद्रीय मंत्री अमित शाह के भाषण के बीच सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने टिप्पणी की। इसके बाद अमित शाह ने उन्हें बैठ जाने को कहा। अखिलेश यादव ने सवालिया लहजे में अमित शाह से पूछा, "आपकी पाकिस्तान से बात हुई?" गृह मंत्री ने उनसे कहा कि बैठ जाइए, बात सुन लीजिए। अमित शाह ने कहा, "मुझे उम्मीद थी

चिराग पासवान का यू-टर्न, कहा- बिहार में एनडीए एकजुट, नीतीश फिर से सीएम बनेंगे

बिहार (एजेंसी): केंद्रीय मंत्री और एनडीए के सहयोगी चिराग पासवान ने कहा कि नीतीश कुमार इस साल के अंत में होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों के बाद फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। चिराग पासवान ये यू-टर्न लिया है क्योंकि वह लगातार बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर सीएम नीतीश कुमार की आलोचना करते रहे हैं। लोजपा (रामविलास) प्रमुख की यह टिप्पणी नीतीश कुमार सरकार का समर्थन करने पर अफसोस जताने के दो दिन बाद आई है, जिस पर उन्होंने आरोप लगाया था कि उसने अपराधियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। चिराग पासवान ने कहा कि एनडीए गठबंधन का सहयोगी होने के नाते मेरी जिम्मेदारी है कि अगर सरकार

में किसी मुद्दे के बारे में कोई जानकारी है, तो हमें उस पर चर्चा करनी होगी और सुधार करना होगा... हम बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में आगामी बिहार विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं और चुनाव जीतने के बाद वह फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे... बिहार में एनडीए एकजुट है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह आगामी बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेंगे, पासवान ने कहा: "मैं सचमुच चाहता हूँ. उन्होंने आगे कहा कि एक ईमानदार सहयोगी होने के नाते, क्या मुझे सिर्फ.उन्हीं सीटों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जिन पर मैं चुनाव लड़ रहा हूँ? फिर मैं कैसा सहयोगी हूँ? क्या मुझे 243 सीटों पर प्रचार नहीं करना चाहिए? अगर वे (विपक्ष) मेरी बात पूरी तरह सुन लें, तो उनके इरादे शांत हो जाएँगे। बिहार के हाजीपुर से सांसद पासवान ने कहा कि एनडीए चुनावों के लिए एक "विजयी गठबंधन" है और उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि मैंने कई बार दोहराया है कि मेरी प्रतिबद्धता और प्रेम प्रधानमंत्री के प्रति है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में (बिहार में) चुनाव लड़े जाएँगे। चुनाव परिणामों के बाद, नीतीश कुमार फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। निश्चित रूप से, वह मुख्यमंत्री होंगे।" बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर पासवान ने कहा कि यह प्रक्रिया पहले चार बार हो चुकी है और इसमें कोई अंतर नहीं आया है, सिवाय इसके कि अब डिजिटल प्रौद्योगिकी को जोड़ दिया गया है।

आप मेरी मां के आंसू पर चले गए, लेकिन ये नहीं बताया, प्रियंका गांधी का केंद्र पर पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर लोकसभा में केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार ने 26 बेकसूरों को भगवान के भरोसे छोड़ दिया था। प्रियंका ने कहा, "मैं उन सभी जवानों को नमन करना चाहती हूं, जो हमारे देश के रेगिस्तानों में, घने जंगलों में, बर्फीली पहाड़ियों में... हमारे देश की रक्षा करते हैं। जो हर पल देश के लिए अपनी जान देने के लिए तैयार रहते हैं। 1948 से लेकर अब तक- जब पाकिस्तान की तरफ से कश्मीर पर हमला किया गया- हमारे देश की अखंडता की रक्षा करने में हमारे जवानों का बड़ा योगदान है।" 'देश के नागरिकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है? कांग्रेस सांसद

ने कहा, "मैं पूछना चाहती हूं कि देश के नागरिकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है? क्या इस देश के प्रधानमंत्री की नहीं है? क्या इस देश के गृह मंत्री की नहीं है? क्या इस देश के रक्षा मंत्री की नहीं है? क्या इस देश के एनएसए की नहीं है?" आप इतिहास की बात करिए हम वर्तमान की बात करेंगे प्रियंका गांधी ने सवाल पूछा कि जब सरकार यह दावा कर रही थी कि कश्मीर में आतंकवाद कैसे कम हुआ है? सरकार पर हमला बोलते हुए गांधी ने कहा कि आप इतिहास की बात करते रहिए हम वर्तमान की बात करेंगे। प्रियंका गांधी ने कहा कि जब ऑपरेशन सिंदूर की शुरूआत हुई थी तो पूरा देश एकजुट था। प्रधानमंत्री जी ने श्रेय लिया लेकिन सिर्फ श्रेय लेने से ही जिम्मेदारी पूरी नहीं होती है। प्रियंका गांधी ने कहा कि देश के इतिहास में पहली बार हुआ जब जंग होते-होते रुक गई। और यह एलान भारतीय सेना या सरकार ने नहीं किया बल्कि अमेरिका के राष्ट्रपति ने की। इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान का विभाजन करके दिखाया था।

पहले सुरजेवाला ने की समीक्षा, अब कांग्रेस विधायकों के साथ चार दिवसीय बैठक करेंगे सीएम सिद्धारमैया

कर्नाटक (एजेंसी): कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया 29 जुलाई से कांग्रेस विधायकों के साथ चार दिवसीय मैराथन बैठकों की श्रृंखला शुरू करेंगे। ये बैठकें एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा सत्र के तुरंत बाद हो रही हैं, जिसके बाद मुख्यमंत्री ने शिकायतों को सुनने और विकास परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए ज़िलेवार एक कड़ा कार्यक्रम तैयार किया है। ये बैठकें अगले चार दिनों तक चलेंगी, जिसमें सिद्धारमैया विधायकों की संख्या के आधार पर प्रत्येक ज़िले के लिए 30 मिनट से एक घंटे तक का समय आवंटित करेंगे। सिद्धारमैया छह जिलों, मैसूर, चामराजनगर, तुमकुरु, कोडागु, हासन और दक्षिण कन्नड़ के विधायकों और उनके संबंधित जिला प्रभारी मंत्रियों से मुलाकात करेंगे। सिद्धारमैया के गृह जिले मैसूर के विधायकों के साथ बैठकें शाम 5 बजे शुरू होंगी। इस

सत्र में मैसूर जिला प्रभारी मंत्री एचसी महादेवप्पा, पशुपालन एवं रेशम उत्पादन मंत्री के वेंकटेश, और विधायक रविशंकर डी, अनिल चिक्कमडु, दर्शन ध्रुवनारायण, के हरीश गौड़ा और तनवीर सैत शामिल होंगे। इसके बाद, शाम 5:00 बजे से 5:30 बजे तक, मुख्यमंत्री चामराजनगर के विधायकों, जिनमें एआर कृष्णमूर्ति, सी पुट्टारंगशेट्टी और एचएम गणेश प्रसाद शामिल हैं। साथ-साथ जिला प्रभारी मंत्री के वेंकटेश से भी मिलेंगे। तुमकुरु सत्र शाम 5:30 बजे से 6:45 बजे तक निर्धारित है। इसमें गृह मंत्री और तुमकुरु जिला प्रभारी मंत्री जी परमेश्वर, सहकारिता मंत्री के एन राजन्ना और विधायक टीबी जयचंद्र, के शदाक्षरी, एचडी रंगनाथ, एसआर श्रीनिवास (वासु) और एचवी वेंकटेश शामिल होंगे। दिन का अंतिम सत्र, शाम 6.45 बजे से शाम 7.45 बजे तक, कोडागु, हसन और दक्षिण कन्नड़ जिलों को कवर करेगा। कोडागु का प्रतिनिधित्व जिला प्रभारी मंत्री एनएस बोसराजू और मुख्यमंत्री के कानूनी सलाहकार एएस पोन्नाना के साथ डॉ. मंथर गौड़ा करेंगे।

असम के लिए कलंक, किसी भी समय छोड़ सकते हैं देश, सीएम हिमंता का गौरव गोगोई पर निशाना

असम (एजेंसी): असम के मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर दिए गए जोरहाट के सांसद गौरव गोगोई के भाषण को लेकर उन पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता पाकिस्तान की ओर से काम कर रहे हैं और राज्य के लिए अपमानजनक हैं। सरमा ने कांग्रेस नेता गोगोई के पाकिस्तान से कथित संबंधों के दावे को भी दोहराया और कहा कि गोगोई अपनी पत्नी के विदेशी नागरिकता के साथ किसी भी समय भारत छोड़ सकते हैं। गोगोई का नाम लिए बिना, सरमा ने एक्स पर पोस्ट किया, "कल संसद में जोरहाट से हमारे सांसद द्वारा दिए गए भाषण से यह संदेह से परे साबित हो गया कि वह पाकिस्तान की ओर से काम करते हैं। उनकी गुप्त यात्रा और पाकिस्तानी प्रतिष्ठान के साथ घनिष्ठ संबंध बहुत कुछ कहते हैं।" गोगोई को असम के लिए कलंक और राज्य के गौरव के साथ विश्वासघात बताते हुए, सरमा ने कहा, "उनकी पत्नी और दोनों बच्चों के पास

विदेशी नागरिकता होने के कारण, वह कभी भी भारत छोड़ सकते हैं। वह असम के लिए कलंक हैं और एक गौरवान्वित भारतीय के रूप में हमारे गौरव के साथ विश्वासघात हैं। कल लोकसभा में विपक्ष के उपनेता और कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बार-बार इस दावे को लेकर केंद्र पर निशाना साधा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच शत्रुता समाप्त करने में मध्यस्थता की थी। लोकसभा में 'पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत का सशक्त, सफल और निर्णायक ऑपरेशन सिंदूर' पर बहस में भाग लेते हुए, गोगोई ने पाकिस्तान के झुकने के बाद ऑपरेशन सिंदूर रोकने के लिए सरकार की आलोचना की और पूछा कि सरकार आगे क्यों नहीं बढ़ी और पड़ोसी देश द्वारा अवैध रूप से कब्जा किए गए क्षेत्र को वापस क्यों नहीं लिया। गोगोई ने कहा कि पूरा देश और विपक्ष, प्रधानमंत्री मोदी का समर्थन कर रहे थे। अचानक, 10 मई को, हमें पता चला कि युद्धविराम हो गया है। क्यों? हम प्रधानमंत्री मोदी से जानना चाहते थे कि अगर पाकिस्तान घुटने टेकने को तैयार था, तो आपने क्यों रोका और किसके सामने आत्मसमर्पण किया? अमेरिकी राष्ट्रपति ने 26 बार कहा है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान को युद्धविराम की घोषणा करने के लिए मजबूर किया। सरकार ने कहा है कि कोई मध्यस्थता नहीं हुई थी और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के साथ शत्रुता समाप्त होने के बाद पाकिस्तान के डीजीएमओ ने अपने भारतीय समकक्ष से संपर्क किया था।

'पहलगाम हमले के बचे आतंकियों को ढूंढकर उनका सफाया करें', संसद में बोले खरगे

नई दिल्ली (एजेंसी): ऑपरेशन सिंदूर को लेकर संसद में दूसरे दिन भी चर्चा जारी है। गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में जबकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राज्यसभा में चर्चा में हिस्सा लिया। अमित शाह ने इस दौरान विपक्ष को आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले में शामिल तीनों आतंकियों को ऑपरेशन महादेव में मार गिराया गया है। वही, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी केंद्र सरकार पर हमला बोला। इसके अलावा कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने भी चर्चा में हिस्सा लिया। सरकार को पहलगाम हमले के पीछे बचे आतंकवादियों को ढूंढकर उनका सफाया करना चाहिए। अगर देश में आतंकवाद का बुनियादी ढांचा चरमरा गया था, तो आतंकवादियों ने पहलगाम हमला कैसे कियाः खरगे प्रधानमंत्री को बिहार में प्रचार करने के बजाय सर्वदलीय बैठक में मौजूद रहना चाहिए था। बैसरन घाटी, पहलगाम में एक भी सुरक्षाकर्मी क्यों मौजूद नहीं था? क्या नागरिकों की सुरक्षा प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और रक्षा मंत्री की जिम्मेदारी नहीं हैः प्रियंका गांधी अमित शाह बोलेः- 1971 में पूरे देश ने इंदिरा जी का समर्थन किया था। उन्होंने पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए, ये भारत की बहुत बड़ी विजय थी, इसपर पूरा भारत गर्व करता है, हम भी करते हैं। उस समय 93 हजार युद्धबंदी और 15 हजार

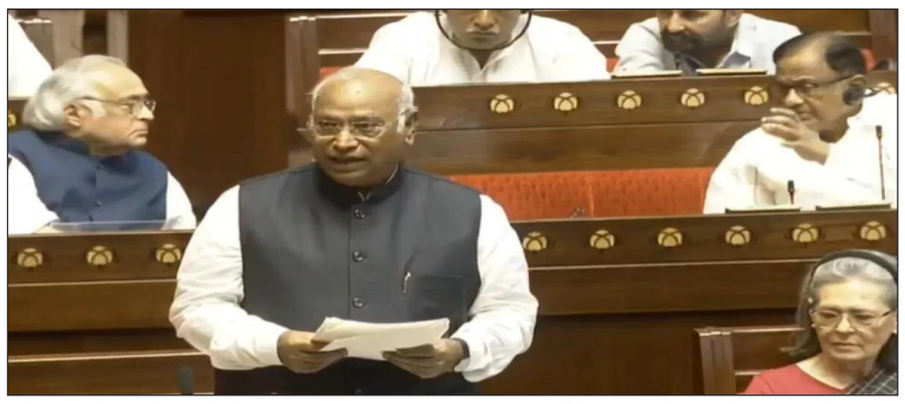

वर्ग किमी क्षेत्र हमारे कब्जे में था। मगर शिमला समझौता हुआ, तो ये पीओके मांगना ही भूल गए। अगर उस समय पीओके मांग लेते, तो न रहता बांस न बजती बांसुरी। इन्होंने पीओके तो नहीं लिया, उल्टा 15 हजार वर्ग किमी की जीती हुई भूमि भी वापस दे दी। मैं आज चिदंबरम जी को आपके माध्यम से कहना चाहता हूं और हमारे पास प्रूफ हैं कि वो तीनों पाकिस्तानी थे। तीन में से दो के पाकिस्तानी वोटर नंबर भी हमारे

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर संसद के दोनों सदनों में चर्चा हो रही है। अमित शाह ने लोकसभा में चर्चा में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर तंज भी कसा। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी चर्चा में हिस्सा लेते हुए सरकार पर पलटवार किया।

पास उपलब्ध हैं। ये राइफलें भी हैं, उनके पास से जो चॉकलेट मिली है, वो भी पाकिस्तान में बनी है। ये कहते हैं कि वो पाकिस्तानी नहीं थे, इसका मतलब है कि देश का एक पूर्व गृह मंत्री पूरी दुनिया के सामने पाकिस्तान को क्लीनचिट दे रहा है। ये हमारे देश की सेना, सीआरपीएफ और जम्मू कश्मीर पुलिस, तीनों की साझा तौर पर बहुत बड़ी कामयाबी है। हमें इस पर गर्व होना चाहिए। मुझे अपेक्षा थी कि जब ये (विपक्ष) पहलगाम के आतंकवादियों के मारे जाने की खबर सुनेंगे तो खुश होंगे, लेकिन ऐसा लगता है कि ये (विपक्ष) इससे खुश नहीं हैं। ये किस तरह की राजनीति है? NIA ने पहले से ही इन 3 आतंकियों को पनाह देने वालों और खाना पहुंचाने वालों को गिरफ्तार कर लिया था। कल जब इन आतंकवादियों के शव श्रीनगर आए, तो इनसे पहचान कराई गई, जिसमें से 4 लोगों ने पहचान लिया कि यही 3 लोग थे, जिन्होंने पहलगाम में आतंकी घटना को अंजाम दिया था। 22 मई को हमें सेंसर के माध्यम से आतंकवादियों के होने की पुष्टि मिली। फिर हमारी 4 पैरा के नेतृत्व में, CRPF के जवान और जम्मू कश्मीर के जवानों ने एक साथ आतंकवादियों को घेरने का काम किया। 1 बजे वहां हमला हुआ था और मैं 5.30 बजे श्रीनगर पहुंच गया था। 23 अप्रैल को एक सुरक्षा मीटिंग की गई और उसमें निर्णय किया गया और इसकी पुख्ता व्यवस्था की गई कि नृशंस हत्या करने वाले हत्यारे देश छोड़कर न भाग पाएं। अमित शाह ने कहा, "पहलगाम हमले के तुरंत बाद, मैंने प्रभावित परिवारों से मुलाकात की थी।

संपादकीय

घोर लापरवाही

हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में मची भगदड़ में आठ श्रद्धालु मर गये तथा तीस से अधिक गंभीर घायल बताए जा रहे हैं। यह मंदिर पहाड़ी पर है, जहां पहुंचने के लिए आठ सौ सीढ़ियां हैं। मृतकों में चार उप्र के व एक-एक बिहार व उत्तराखंड के बताए जा रहे हैं। सावन माह में मंदिर में भारी भीड़ होती है। बताया जा रहा है कि मंदिर से करीब सौ मीटर पहले ही धक्का-मक्की के चलते करीब लटक रहे तार को सहारे के लिए लोगों ने पकड़ने की कोशिश की, जिससे करेंट लगने से अफरा-तफरी मच गई। हड़बड़ाहट में कुछ लोगों के गिरते ही भगदड़ मच गई। हरिद्वार की शिवालिक पहाड़ियों पर बना यह मंदिर बिल्व पर्वत पर पौड़ी से तीन किलोमीटर दूर है। महंत इसे

मंदिर परिसर के भीतर नहीं हुई घटना कह कर हाथ झाड़ रहे हैं और सरकार ने मुआवजा घोषित कर रस्म अदा कर दी। इसी समय उप्र के बाराबंकी के औसानेर मंदिर में मची भगदड़ में दो की मौत हो गयी। मृतक के भाई का आरोप है, वहां तार सुलगते देखा गया था। पूजास्थलों में चढ़ावा और श्रद्धालुओं को बटोरने की होड़ किसी से छिपी नहीं है। स्थानीय प्रशासन या राज्य सरकारें श्रद्धालुओं की भीड़ को संभालने का जिम्मा सलीके से लेने में क्यों असफल हैं। महीना भर पहले ही पुरी में रथ-यात्रा के दौरान मची भगदड़ में तीन भक्तों की मौत हुई है। उससे पहले गोवा में भंदिर उत्सव में भगदड़ में छह मरे थे और इसी जनवरी में तिरुपीति में भी छह श्रद्धालु कुचल कर मारे गए थे। देश के विभिन्न धर्मस्थलों में प्रतिवर्ष होने वाले इन धार्मिक आयोजनों के बारे में सबको पहले से खबर होती है। दुनिया की सबसे बड़ी जनसंख्या वाला मुल्क अपने बाशिंदों की जान को लेकर कितना संवेदनहीन हो रहा है। खासकर धर्म को अपना मुख्य एजेंडा बनाने वाली सत्ताधारी पार्टी का जिम्मा है कि वह भक्तों की सुरक्षा के प्रति लापरवाह रवैया बदले। किसी भी बड़े धार्मिक उत्सव/त्योहार को लेकर आयोजकों, मंदिर व्यवस्थापकों व स्थानीय प्रशासन व पुलिस को चेतावनी देनी होगी। समाज में धर्मपरायण व मान्यताओं के प्रति अगाध श्रद्धा रखने वालों की संख्या का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। विशेष अवसरों पर पूजा-अर्चना करने वालों की संख्या साल-दर-साल बढ़ती ही है। प्रशासन व पुलिस को भीड़ संभालने का प्रशिक्षण दिया जाए। भगदड़ जैसी घटनाएं घोर लापरवाही की श्रेणी में आती हैं। मुआवजों के भरोसे व्यवस्था नहीं सुधारी जा सकती। इस पर केंद्र को स्पष्ट निर्देश देने चाहिए।

चिंतन-मनन

भगवान का अचिंत्य ऐश्वर्य

भगवान भौतिक जगत के पालन व निर्वाह के लिए प्रत्यक्ष रूप से उत्तरदायी नहीं हैं। हम एटलस (एक रोमन देवता) को कंधों पर गोला उठाये देखते हैं। वह अत्यन्त थका लगता है और इस विशाल पृथ्वीलोक को धारण किये रहता है। हमें किसी ऐसे चित्र को मन में नहीं लाना चाहिए, जिसमें कृष्ण इस सृजित ब्रह्मांड को धारण किये हों। उनका कहना है कि यद्यपि सारी वस्तुएं उन पर टिकी हैं, सारे लोक अन्तरिक्ष में तैर रहे हैं और यह अन्तरिक्ष परमेश्वर की शक्ति है किन्तु वे अन्तरिक्ष से पृथक स्थित हैं। भगवान कहते हैं, यद्यपि सब रचित पदार्थ मेरी अचिंत्य शक्ति पर टिके हैं, किन्तु भगवान रूप में मैं उनसे पृथक रहता हूं। यह भगवान का अचिंत्य ऐश्वर्य है।

वैदिककोश निरुक्ति में कहा गया है- परमेश्वर शक्ति का प्रदर्शन करते हुए अचिंत्य आश्चर्यजनक लीलाएं कर रहे हैं। उनका व्यक्तित्व विभिन्न शक्तियों से पूर्ण है और संकल्प स्वयं एक तथ्य है। भगवान को इसी रूप में समझना चाहिए। हम कोई काम करना चाहते हैं, तो अनेक विध्न आते हैं और कभी-कभी जो चाहते हैं वह नहीं कर पाते।

किन्तु जब कृष्ण कोई कार्य करना चाहते हैं, तो सब इतनी पूर्णता से सम्पन्न हो जाता है कि कोई सोच नहीं पाता कि यह सब कैसे हुआ! भगवान समझाते हैं-यद्यपि वे समस्त सृष्टि के पालक तथा धारणकर्ता हैं, किन्तु वे इस सृष्टि का स्पर्श नहीं करते। उनके मन और स्वयं उनमें कोई भेद नहीं है। वे हर वस्तु में उपस्थित हैं, किन्तु सामान्य व्यक्ति समझ नहीं पाता कि वे साकार रूप में उपस्थित हैं। वे भौतिक जगत से भिन्न हैं तो भी प्रत्येक वस्तु उन्हीं पर आश्रित है। इसे ही भगवान की योगशक्ति कहा गया है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

भारत के लाखों नागरिकों को क्यों भा रहा है विदेश?

डॉ. हिदायत अहमद खान

भारत के सक्षम नागरिकों में पिछले कुछ सालों में देश छोड़कर विदेश में बसने की प्रवृत्ति ज्यादा ही बढ़ गई है। यह हम नहीं कह रहे बल्कि संसद के उच्च सदन में विदेश मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़े बता रहे हैं। लाखों की तादाद में न सिर्फ विदेश में बसने बल्कि भारतीय नागरिकता छोड़ने के जो आंकड़े सामने आए हैं वे देश की दशा और दिशा तय करने वालों से तीखे सवाल भी कर रहे हैं। आखिर देशभक्ति और देशप्रेम की विदेश में अलख जगाने का दम भरने वाले इन खासम-खास लोगों को हुआ क्या है, जो वतन की तरफ पलट कर देखना भी पसंद नहीं कर रहे हैं। आखिर किससे और क्योंकर गलती या गुनाह हुआ, जिसका दर्द हमारे प्यारे हिंदुस्तान को सहना पड़ रहा है। आखिर यह कैसे भुलाया जा सकता है कि जन्मभूमि के लिए सभी समान होते हैं, फिर चाहे वह किसी भी धर्म, जाति या सम्प्रदाय का ही क्यों न हो। अमीर हो या गरीब, काला हो कि गोरा, कद में ऊंचा हो कि नाटा, खान-पान, रहन-सहन और पहनावा कुछ भी क्यों न हो पहले तो वह भारतीय ही है, जिसे मॉ भारती ने अपनी गोद में बड़े लाड़-प्यार से पाला-पोसा है। आज वही लाड़ले विदेश में बसने को मजबूर क्यों हो रहे हैं? या फिर विदेशी कहलाने को स्टेटस-सिंबल बना यहां से क्यों मुंह मोड़ रहे हैं? शिक्षा, स्वास्थ्य और कारोबार के साथ ही रोजगार जैसे सवाल अनगिनत हैं जिसके जवाब आज नहीं तो कल कर्ता-धताओं को देने ही होंगे। आखिरकार लाखों करोड़पतियों का यूं भारत छोड़ देना, देश और समाज के लिए हानिकारक ही माना जाएगा। इससे पहले कि विदेश जाने और हमेशा के लिए वहीं बस जाने के कारणों पर विचार करें यहां उच्च सदन में प्रस्तुत आंकड़ों पर भी एक नजर दौड़ा लेते हैं। दरअसल राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने राज्यसभा में भारतीय नागरिकता त्यागने संबंधी एक सवाल के जवाब में जो आंकड़े प्रस्तुत किए हैं वो पहली ही नजर में गंभीर और चिंता में डालने वाले हैं। विदेश मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार साल 2024 में 2,06,378 भारतियों ने नागरिकता छोड़ी है। इससे पहले साल 2023 में 2,16,219, 2022 में 2,25,620, साल 2021 में 1,63,370, साल 2020 में 85,256 और साल 2019 में 1,44,017 लोग भारतीय नागरिकता त्याग चुके हैं। इस प्रकार बीते वर्ष में ही 2 लाख से ज्यादा भारतीयों ने अपने वतन की नागरिकता छोड़ विदेश की नागरिकता ले ली है।

इससे हटकर पूरी दुनिया में भारत के लाखों लोग ऐसे भी हैं जो पूरी जिंदगी तो विदेश में गुजार देते हैं लेकिन वहां कि नागरिकता नहीं लेते हैं। मतलब साफ है कि ग्रीन कार्डधारी बनकर विदेश में जीवन गुजारना इन्हें पसंद आ जाता है। ऐसे ज्यादातर लोग सिर्फ मजबूरी में या विशेष ऑकेजन में तफरी के तौर पर देश का रुख करते हैं। जो कमाई के लिए या अन्य कारणों से मजबूरीवश विदेश में रह रहे होते हैं उनके लिए जरुर विदेश में रहना किसी सजा से कम नहीं होता है। हमेशा अपनों की कमी और देश की मिट्टी की खुशबू से वंचित होने का दर्द इन्हें सालता रहता है। खुशी का पल हो कि गम का पहाड़ जैसा समय वतन के साथ अपनों की याद दिलाने के लिए काफी होता है। ऐसे समय में ये मजबूरी को कर्तव्य समझ घुटनभरी जिंदगी जीते हैं। इनकी तादाद अन्य से बहुत कम होती हो, ऐसा नहीं है, फिर भी इनकी सुनवाई न तो वहां होती है और न ही यहां। जिन्हें परवाह होती है वे खुद दूसरों के एहसान और खुद की लाचारी के बोझ तले दबे होते हैं। ऐसे में ईश्वर ही इनका मालिक होता है। इन सब को मिला लें तो भारतीय प्रवासी दुनिया का सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय बन जाता है। एक सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक प्रति वर्ष 2.5 मिलियन (25 लाख) भारतीय विदेशों में प्रवास करते हैं, जिससे भारत दुनिया का सबसे ज्यादा वार्षिक प्रवासियों वाला देश भी कहलाता है। कोटक प्राइवेट द्वारा ईवाई के साथ साझेदारी में किए गए एक सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक 22 प्रतिशत अति-धनी भारतीयों ने बेहतर जीवन स्तर, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और व्यापार में आसानी के लिए देश छोड़ने की इच्छा व्यक्त की। इससे साफ है कि जो नागरिक देश छोड़ चुके हैं सो वो तो छोड़ ही चुके हैं अब आगे भी लाखों भारतीय विदेश जाने की तैयारी में बैठे हुए हैं। सरकारी आंकड़े बतलाते हैं कि भारत में करोड़पतियों की आबादी बढ़ी है, बावजूद इसके करों के बोझ और जॉच व आर्थिक व्यवसायिक औपचारिकताओं के कारण बड़ी संख्या में लोग भारत छोड़ रहे हैं। ऐसे में संयुक्त अरब अमीरात भारतीयों के गंतव्य की पसंदीदा जगह बन गई है। यहां की शून्य-कर व्यवस्था और जिंदगी जीने को आसान बनाने वाले प्लान धनाढ्य भारतियों को आकर्षित करते हैं। यूएन वर्ल्ड माइग्रेशन रिपोर्ट 2024 के मुताबिक, दुनिया भर में लगभग 1.8 करोड़ भारतीय प्रवासी हैं। प्रवासियों के पसंदीदा देशों की बात करें तो रिपोर्ट बताती है कि एनआरआई और पीआईओ कैटागिरी को मिलाकर अमेरिका में कुल भारतीय आबादी 54,09,062 है, जबकि कनाडा में 28,75,954, मलेशिया में 29,14,127, सऊदी अरब में 24,63,509, कुवैत में 9,95,528, ब्रिटेन में 18,64,318, दक्षिण अफ्रीका में 17,00,000, श्रीलंका में 16,07,500 कुल भारतीय आबादी है। इसी के साथ बताया जाता है कि यूएई, सऊदी अरब और कुवैत में बेहतर रोजगार के अवसर और निवेश के खुले रास्ते भारतीयों को आकर्षित करते हैं। जबकि श्रीलंका, मलेशिया, म्यांमार और सिंगापुर में ऐतिहासिक प्रवासन के साथ ही व्यापारिक संबंधों के चलते भारतीय आबादी पुरानी है। भारत विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, मई 2024 तक दुनिया में कुल लगभग 3.542 करोड़ भारतीय मूल के लोग रह रहे हैं। ये आंकड़े बता रहे हैं कि भारत से सबसे ज्यादा लोग विदेशों में बस चुके हैं, जिन्हें बेहतर जिंदगी जीने की लालसा है और कुछ बेहतर करने की जिज्ञासा है। इसी प्रकार हेनले प्राइवेट वेल्थ माइग्रेशन रिपोर्ट 2025 बताती है कि भारत सालाना सबसे ज्यादा करोड़पतियों को खोने वाले शीर्ष पांच देशों में से एक है। आश्चर्यजनक और चिंतनीय बात यह है कि इन करोड़पतियों के अपने साथ 26.2 बिलियन डॉलर की संयुक्त संपत्ति देश से बाहर ले जाने की उम्मीद जताई जा रही है।

मंदिरों में भगदड़ : कब रुकेंगी त्रासदियां

जयसिंह रावत

हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में 27 जुलाई रविवार को जो कुछ हुआ, वह किसी अप्रत्याशित घटना की तरह नहीं था।

यह हादसा एक बार फिर से उस सच्चाई को सामने लाता है कि धार्मिक आस्था का उफान जब प्रशासनिक विवेक, स्थान की क्षमता और वैज्ञानिक भीड़ प्रबंधन पर भारी पड़ता है, तो आस्था का यह सैलाब त्रासदी में बदल सकता है। उस दिन मंदिर के मुख्य मार्ग की सीढ़ियों पर अचानक भगदड़ मच गई। कहा गया कि किसी ने यह अफवाह फैला दी कि रेलिंग में करंट दौड़ रहा है। नतीजा यह हुआ कि 8 श्रद्धालुओं की मौके पर मौत हो गई और लगभग 30 श्रद्धालु घायल हो गए। यह घटना हमें बताती है कि हम आज भी उन्हीं भूलों को दोहरा रहे हैं जिनका इतिहास दशकों पुराना है।

मनसा देवी मंदिर पहाड़ी पर स्थित एक अत्यधिक लोकप्रिय शक्तिपीठ है, जहां सावन और नवरात्र जैसे पर्वों पर श्रद्धालुओं की भीड़ कई गुना बढ़ जाती है, लेकिन इस भीड़ को नियंत्रित करने के लिए जो व्यवस्था होनी चाहिए, वह अक्सर उतनी ही कमजोर साबित होती है जितनी कि श्रद्धा प्रबल। यह पहली बार नहीं है जब हरिद्वार में ऐसा हुआ हो। इससे पहले 1986 के कुंभ मेले की भगदड़ में लगभग 200 लोगों की मृत्यु हुई थी। 2011 में हर की पैड़ी पर भी एक भगदड़ में 20 लोग मारे गए थे। इसी प्रकार 8 नवम्बर 2011 को ही शांतिकुंज के एक कार्यक्रम में भी भगदड़ में 20 श्रद्धालुओं की मौत और 30 घायल हो गए थे। इन हादसों का पैटर्न लगभग एक जैसा रहा है, अत्यधिक भीड़, संकरे रास्ते, अफवाहें और प्रशासनिक लापरवाही।

भगदड़ हादसों के मामले में हरिद्वार अकेला नहीं है। देश के अन्य धार्मिक स्थलों पर भी इसी तरह की घटनाएं बार-बार होती रही हैं। 2024 में उत्तर प्रदेश के हाथरस में एक स्वयंभू बाबा के सत्संग में भगदड़ मची, जिसमें 121 लोगों की मृत्यु हो गई थी। 2022 में वैष्णो देवी मंदिर में भी नववर्ष के मौके पर भगदड़ मचने से 12 श्रद्धालुओं की जान गई। 2008 में हिमाचल प्रदेश के नैना देवी मंदिर में चट्टान खिसकने की अफवाह से भगदड़ मची थी जिसमें 162 लोग मारे गए थे। 2023 में रामनवमी के अवसर पर वहीं एक और भगदड़ हुई, जिसमें 36 श्रद्धालु मरे। इसी महीने मध्य प्रदेश के बागेर धाम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव के दौरान टेंट गिरने और दीवार ढहने से दो लोगों की मौत हुई। ये आंकड़े महज संख्याएं नहीं, बल्कि व्यवस्थागत असफलताओं के प्रमाण हैं। प्रश्न यह है कि आखिर ये घटनाएं बार-बार क्यों घट रही हैं? एक कारण तो यह जरूर है कि भीड़ को आयोजन और आयोजन स्थल की सफलता का मापदंड माना जाता है। सरकारें और धार्मिक संस्थाएं जितनी अधिक भीड़ जुटा पाती हैं, उसे उतनी ही बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रचारित करती हैं।

श्रद्धालुओं की संख्या को लाखों और करोड़ों में गिनाया जाता है, और यह मान लिया जाता है कि आस्था जितनी व्यापक होगी, उतनी ही मान्यता और चढ़ावा भी मिलेगा, परंतु इस मानसिकता में यह भूल जाती है कि किसी भी स्थल की एक सीमा होती है, जिसे कैरीइंग कैपेसिटी कहा जाता है। कैरीइंग कैपेसिटी का अर्थ है किसी स्थल की वह अधिकतम सीमा जहां तक वह पर्यावरणीय, भौगोलिक और संरचनात्मक रूप से भीड़ को सुरक्षित रूप से संभाल सकती है। मनसा देवी मंदिर जैसे स्थलों पर यह सीमा सीमित होती है, सीढ़ियां संकरी हैं, रेलिंग पुरानी हैं, और ऊपर-नीचे आने-जाने का मार्ग एक ही है। ऐसी स्थिति में यदि हजारों की संख्या में लोग एक साथ एक ही दिशा में बढ़ते हैं और अचानक अफवाह या घबराहट फैलती है, तो भगदड़ अवश्यंभावी हो जाती है। प्रशासनिक दृष्टि से देखा जाए तो भारत में अधिकांश धार्मिक स्थलों पर ऐसी स्पष्ट कैरीइंग कैपेसिटी निर्धारित नहीं की जाती और न ही भीड़ को उसी अनुसार रोका जाता है। जब तक यह वैज्ञानिक आधार पर तय नहीं किया जाएगा कि किस पर्व पर किस स्थल पर कितने लोग एक समय में प्रवेश कर सकते हैं, तब तक सुरक्षा सिर्फ भाग्य पर आधारित होगी।

प्रशासन कई बार दावा करता है कि उसने पर्याप्त इंतजाम किए थे, सीसीटीवी कैमरे लगाए थे, पुलिस बल तैनात किया गया था, रूट प्लान तैयार था, परंतु जब हादसा हो जाता है, तो यही व्यवस्थाएं कागजों में ही सीमित पायी जाती हैं। मनसा देवी मंदिर की घटना में भी यही हुआ। एक अफवाह ने समूची व्यवस्था को ध्वस्त कर दिया। दूसरी ओर, धार्मिक संस्थाओं की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। कई बार आयोजक भीड़ को लेकर कोई वैज्ञानिक अनुमान नहीं लगाते, न ही किसी प्रकार की पूर्व अनुमति की प्रक्रिया का पालन करते हैं। हाथरस की घटना इसका ज्वलंत उदाहरण है। न आयोजन का कोई नियंत्रण था, न किसी एजेंसी से सहमति ली गई थी, और न ही आपातकालीन प्रबंधन की कोई योजना थी। धार्मिक आस्था को आंकड़ों, भीड़ या प्रचार का माध्यम नहीं, बल्कि विवेक और जिम्मेदारी के साथ जोड़ना होगा। जब तक भीड़ को आयोजन की सफलता और चढ़ावे का पैमाना माना जाता रहेगा, तब तक मनसा देवी, नैना देवी, हाथरस या वैष्णो देवी जैसी त्रासदियां दोहराई जाती रहेंगी।

मतदाता सूची मामले में देश को गुमराह कर रहा विपक्ष

बिहार में चुनाव आयोग द्वारा चलाया गया विशेष मतदाता गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर पूरा हो चुका है। बिहार विधानसभा से लेकर संसद तक एसआईआर का विरोध जारी है। हालांकि विपक्ष के तीखे विरोध के बीच चुनाव आयोग ने यह स्पष्ट कर दिया है कि एसआईआर बिहार तक ही सीमित नहीं रहेगा। अगले साल पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और असम राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। सिर्फ असम में भाजपा सरकार है। शेष राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें हैं। वे अभी से चौकन्नी हो गई हैं और एसआईआर को एक राष्ट्रीय मुद्दा बना देना चाहती हैं।

वास्तव में विपक्ष रणनीति के तहत एसआईआर पर देशवासियों को गुमराह कर रहा है। सड़क से संसद तक वो एसआईआर का विरोध कर रहा है, और चुनाव आयोग पर अमर्यादित बयानबाजी से लेकर आरोप तक लगा रहा है। जबकि तस्वीर का दूसरा पक्ष यह है कि बिहार में एसआईआर का विरोध कर रही पार्टियों ने भी अपने बूथ लेवल एजेंट यानी बीएलए को बढ़-चढ़कर काम में लगाया था। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 23 जून को एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने के पहले कांग्रेस ने केवल 8586 बीएलए लगाए थे। लेकिन 25 जुलाई को प्रक्रिया समापन के वक्त कांग्रेस के 17549 बीएलए नियुक्त रहे। कांग्रेस ने एसआईआर प्रक्रिया का विरोध करने के बावजूद इसके लिए 105 फीसदी बीएलए बढ़ाए।

भाजपा के 53338 बीएलए प्रकिया का हिस्सा बने। राष्ट्रीय जनता दल के 47506 बीएलए प्रक्रिया में शामिल हुए। जनता दल यूनाइटेड के 36550 बीएलए शामिल हुए। लेफ्ट पार्टियों ने एसआईआर प्रक्रिया की शुरूआत में दिलचस्पी नहीं दिखाई लेकिन आखिर तक इन पार्टियों ने भी बीएलए की संख्या बढ़ाई। बिहार में 12 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के कुल 1 लाख 60 हजार 813 बीएलए गहन मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया का हिस्सा बने। किसी तरह की अनियमितता होने पर विपक्षी दलों के कार्यकर्ता तुरंत अपना विरोध कर सकते हैं, लेकिन अब तक एक भी ऐसा मामला सामने नहीं आया है जहां विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं ने इसकी शिकायत की हो। केवल विपक्ष के नेता ही इस तरह की बात कर सनसनी पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। विपक्ष का असली चेहरा और चरित्र यही है। वो एक और देशवासियों को गुमराह करने और संवैधानिक संस्थाओं की साख को धूमिल करने का कुकृत्य करता है, तो वहीं दूसरी और कानून प्रक्रियाओं में बढ़ चढ़कर हिस्सा भी लेता है। बिहार ही नहीं देशभर में फर्जी और अयोग्य मतदाताओं को हटाने के मांग राजनीतिक दल समय समय पर उठाते रहे हैं। बिहार के सीमांचल के इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला वर्षों से सामने आ रहा है। पिछले 30 वर्षों में पूरे सीमांचल का समीकरण बदल गया है। किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया में अल्पसंख्यकों की आबादी 40 फीसदी से 70 फीसदी तक हो चुकी है। यही कारण है कि वर्षों से इस इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों की रोक की मांग उठती रही है। कई इलाकों से हिंदुओं के पलायन की भी खबर उठी थी। केंद्र सरकार ने जब पूरे देश में एनआरसी लागू करने की बात कही थी तो बिहार में इस इलाके से भी विरोध के सुर उठे थे।

चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, बिहार के 99.8 फीसदी यानी 7.23 करोड़ मतदाता इस रिवीजन प्रक्रिया में कवर हो चुके हैं। दावा किया जा रहा है कि पुनरीक्षण में बिहार में कम से कम 61 लाख मतदाताओं के नाम कट सकते हैं। इसमें 21.6 लाख मतदाताओं का निधन हो चुका है। 31.5 लाख मतदाता स्थाई तौर पर दूसरे स्थानों-शहरों में बस गए हैं। हैं। लगभग सात लाख मतदाताओं के नाम दो स्थानों की मतदाता सूची में दर्ज हैं।

बिहार में विधानसभा की 243 सीटें हैं। विधानसभाओं में कुछ सौ मतदाताओं का अंतर ही जीत-हार पर असर डाल देता है। साल 2020 के विधानसभा चुनावों में करीब बीस प्रतिशत सीटों पर जीत और हार का अंतर महज ढाई फीसद तक ही था। इनमें से 17 सीटों पर जीत तो एक प्रतिशत के कम वोट से ही हुई थी। अगर गहन पुनरीक्षण में इन मतदातओं के नाम नहीं काटे गए तो उनके नाम पर चुनावी नतीजों को बदला जा सकता है।

राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव चुनाव बहिष्कार की धमकी दे रहे हैं। हालांकि देश की राजनीति के लिए यह कोई पहली बार नहीं है जब किसी राजनीतिक दल ने चुनाव बहिष्कार की धमकी दी हो। इससे पहले भी जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के राज्यों में अनेक बार कुछ राजनीतिक दलों और अतिवादी संगठनों ने चुनाव के बहिष्कार की धमकी दी। आपातकाल के बाद भी प्रमुख विपक्षी दलों ने चुनाव के बहिष्कार करने की बात की थी। हालांकि इसके बावजूद वहां चुनाव हुए और उन सभी लोगों ने चुनाव में हिस्सा भी लिया और जीत हासिल की।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर का मुद्दा अपनी स्टाइल में उठा रहे हैं। वो केंद्र की बीजेपी सरकार पर वोटों की चोरी का आरोप लगा रहे हैं। वोटिंग में गड़बड़ी का इल्जाम तो राहुल गांधी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद से ही लगाने लगे थे, लेकिन अब ज्यादा जोरदार तरीके से उसे उठा रहे हैं। राहुल गांधी महाराष्ट्र और कर्नाटक में वोटिंग में गड़बड़ी के आरोप लगा रहे हैं, लेकिन बाकी चुनावों के मामले चुप्पी साध लेते हैं।

राहुल गांधी पिछले कई दिनों से चुनाव आयोग पर तल्ख, अमर्यादित और अनर्गल टिप्पणियां कर रहे हैं। आयोग पर भाजपा से मिलीभगत का आरोप लगा रहे हैं। असल में राहुल गांधी चुनाव आयोग और चुनाव मशीनरी को दबाव में लेना चाहते हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुले मंच से यह घोषणा कर चुकी हैं कि वे बंगाल में एसआईआर नहीं होने देंगी। विपक्ष के कई दूसरे नेता भी एसआईआर का विरोध कर रहे हैं। ये वही लोग हैं जो लोकसभा चुनाव के दौरान मोहब्बत की दुकान, संविधान की रक्षा और संविधान की कॉपियां लेकर देशभर में घूमते थे। और भाजपा पर संविधान विरोधी होने और संविधान बदलने का आरोप लगाते थे। यही इनका मूल चरित्र है।

2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष ने भाजपा के सत्ता में आने के बाद संविधान बदलने का खतरा होने का मुद्दा उठाया था। इससे कांग्रेस को अच्छी सफलता मिली थी। उसी तरह विपक्ष लोगों के बीच वोट खोने का डर और चुनाव में गड़बड़ी का मुद्दा उठाकर बढ़त हासिल करना चाहता है। इससे वह सत्ता पक्ष पर दबाव बनाने के साथ-साथ जनता के बीच अपनी पकड़ भी मजबूत करना चाहता है। यदि जनता के एक प्रतिशत लोगों के मन में भी अपना वोट खोने का डर पैदा हो जाता है तो इससे पूरा चुनावी गणित बदल सकता है। कांग्रेस-राष्ट्रीय जनता दल पूरी तैयारी के साथ इसी रणनीति पर काम करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

चुनाव आयोग ने केवल दूसरी जगह चले गए मतदाताओं, मृतकों और एक ही व्यक्ति के दो स्थानों पर मतदाता सूची में शामिल होने वाले मतदाताओं का नाम ही मतदाता सूची से हटाने की बात कही है, ऐसे में एसआईआर का विरोध पूरी तरह से अतार्किक है। चुनाव आयोग नियम कानून के तहत वोटर लिस्ट अपडेट कर रहा है। यह उसकी डयूटी का हिस्सा है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए स्वच्छ और स्पष्ट मतदाता सूची जरूरी है। वास्तव में, मतदाता सूची पर विपक्ष का हंगामा केवल राजनीतिक स्टंट कर जनता का ध्यान अपनी ओर खींचने की कोशिश है। विपक्ष चुनावों में अपनी हार को देखकर अभी से बहाने की तलाश कर रहे हैं। यह विरोध प्रदर्शन और चुनाव आयोग पर बयानबाजी उसी का नतीजा है।

(स्वतंत्र पत्रकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, बुढनपुर में दो दिवसीय कृषि एवं पर्यावरण संरक्षण प्रदर्शनी का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के बुढनपुर स्थित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (DIET) में हाल ही में कृषि और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक दो दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र और विशिष्ट अतिथि मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आभा दत्त ने कृषि एवं पर्यावरण संरक्षण प्रदर्शनी का फीता काट कर शुभारंभ किया। इसी के साथ डायट प्राचार्या सुश्री शाहीन ने सभी अतिथियों का जोरदार स्वागत किया। इस दौरान जिले के सभी विकास खंडों के विद्यालय से प्रदर्शनी लगाई गई। जहां मुख्य विकास अधिकारी ने सभी प्रदर्शनियों का अवलोकन किया। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने अपने उद्बोधन में पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ कृषि के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अमरोहा जैसे कृषि प्रधान क्षेत्र में, जहां अधिकांश जनसंख्या अपनी आजीविका के लिए खेती पर निर्भर है, वहां पर्यावरण के प्रति जागरूकता और आधुनिक कृषि तकनीकों का उपयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि जलवायु परिवर्तन और मृदा क्षरण जैसी समस्याओं का सामना करने के लिए सामुदायिक प्रयासों की आवश्यकता है। प्रदर्शनी में विभिन्न स्टॉल्स लगाए गए, जहां जैविक खेती, कम पानी की खपत वाली फसलों, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, और जैव-उर्वरकों के उपयोग जैसे विषयों पर जानकारी दी गई। कृषि वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने किसानों को ड्रिप इरिगेशन, वर्षा जल संचयन, और फसल चक्रण जैसी तकनीकों के बारे में बताया। इसके अतिरिक्त, प्रदर्शनी में प्रदूषण नियंत्रण, वृक्षारोपण, और अपशिष्ट प्रबंधन पर भी जोर दिया गया। एक स्टॉल विशेष रूप से सौर ऊर्जा और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग पर केंद्रित था, जो ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा संरक्षण के लिए उपयोगी साबित हो सकता है।

पशुओं के फर्जी झोलाछाप चिकित्सकों की भरमार

गलत उपचार से अनेकों पशुओं की हो चुकी है मौत

अमरोहा (सब का सपना):- जनपदभर के ग्रामीण क्षेत्र में इस समय झोलाछाप पशु चिकित्सकों की बाढ़ सी आई है। ऐसे झोलाछाप गांव के भोले भाले लोगों को अपने झांसे में लेकर उनके पशुओं का गलत तरीके से उपचार करते हैं, जिस कारण कई पशुओं की मौत भी हो चुकी है। तो वहीं कई पशुओं की हालत बिगड़ने से पशुपालक परेशांन हैं। पशु चिकित्सा विभाग गजरौला द्वारा कुछ दिनों पहले एक झोलाछाप पशु चिकित्सक के विरुद्ध मुकदमा भी दर्ज कराया गया था, पर ऐसे झोलाछापों की क्षेत्र में काफी भरमार है। बता दें कि हमारा देश कृषि प्रधान देश है और पशुपालन आय का स्रोत है। किसान अपनी मेहनत से पैसे जोड़कर पशु खरीदता है, लेकिन जब उनके पशु बीमार होते हैं तो ऐसे झोलाछाप चिकित्सक राजकीय पशु चिकित्सालय के गाँव से दूर होने का लाभ उठाते हुए, पशुओं का उल्टा सीधा उपचार करते हैं , इतना ही नहीं मुंहमांगा दाम भी वसूलते हैं। कुछ दिन पहले गजरौला पशु चिकित्सा विभाग ने ऐसे ही एक झोलाछाप पर मुकदमा भी दर्ज कराया था, मगर इनकी संख्या बहुत है, ऐसे लोगों पर शिकंजा कसने के लिए विभाग को बड़े पैमाने पर अभियान चलाने की आवश्यकता है।

हेल्पलाइन नंबर से होगा, शिक्षकों की समस्याओं का समाधान: बीएसए डॉ मोनिका

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में बेसिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश के अंतर्गत संचालित परिषदीय प्राथमिक उच्च प्राथमिक एवं कंपोजिट विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों शिक्षामित्रों अनुदेशकों सहित जन सामान्य द्वारा विद्यालय एवं शिक्षा विभाग में संबंधित विभिन्न प्रकार की शिकायतों सुझाव समस्याओं के त्वरित पारदर्शित तथा गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के लिए जिला स्तर पर कार्यालय हेल्पलाइन नंबर 9456078409 स्थापित किया गया है। बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में यह हेल्पलाइन नंबर प्रत्येक कार्य दिवस को प्रातः 10:00 बजे से साय 5:00 बजे तक क्रियाशील रहेगा। जिस पर कोई भी संबंधित व्यक्ति दूरभाष के माध्यम से संपर्क कर अपनी शिकायत समस्या दर्ज कर सकता है।

यह समस्त प्राप्त शिकायतकर्ता को पंजिका में समुचित रूप से दर्ज कराते हुए संबंधित अधिकारी कर्मचारी को उपलब्ध कराएंगे। तथा उनके निस्तारण की सतत निगरानी करेंगे। हेल्पलाइन से संबंधित समस्त शिकायतों की मॉनिटरिंग जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय स्तर से की जाएगी। जिले में प्रत्येक शिकायत के निस्तारण की सूचना अभिलेखीय रूप से सुरक्षित रखी जाएगी।

दो बच्चों को साथ लेकर घूम रही मानसिक रूप से कमजोर महिला व दो बच्चों को पुलिस ने किया उसके परिजनों को सुपर्द

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द द्वारा आपरेशन मुस्कान के तहत चलाये जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन में एवं क्षेत्राधिकारी हसनपुर दीप कुमार पंत के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक हसनपुर दिनेश कुमार शर्मा के कुशल नेतृत्व में थाना पुलिस को सूचना मिली कि मानसिक रुप से कमजोर एक महिला उम्र करीब 30 वर्ष व दो बच्चे (एक लडकी उम्र करीब 4 वर्ष व एक लडका उम्र करीब 3 वर्ष) के साथ लावारिश घुम रही है। जिसमें स्थानीय थाना हसनपुर पुलिस द्वारा तत्काल सूचना पर संज्ञान लेते हुए उ0नि0 प्रविन्द्र कुमार का0 1126 सोनू कुमार, म0का0 1388 प्रिंयका द्वारा महज 04 घंटे के अन्दर परिजनों की जानकारी कर सकुशल महिला व दोनो बच्चों को महिला के पति निवासी ग्राम फूलपुर बीझलपुर थाना हसनपुर जिला अमरोहा के सुपुर्द किया गया। इस कार्य से आम जनमानस में पुलिस की भूरी-भूरी प्रशंसा हो रही है।

वक्फ कब्रिस्तान की भूमि पर अवैध कब्जे व निर्माण को ध्वस्त कराने की माँग

अमरोहा (सब का सपना):- सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी अमरोहा के जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने अमरोहा के मौहल्ला सराय कोहना स्थित वक्फ कब्रिस्तान की भूमि पर किए गए अवैध कब्जे व निर्माण को तत्काल ध्वस्त कराने की माँग को लेकर वक्फ मंत्री को संबोधित एक ज्ञापन सुभासपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ओमप्रकाश राजभर को सौंपा। सौंपे गए ज्ञापन में सुभासपा जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने कहा कि अमरोहा के मौहल्ला सराय कोहना में स्थित वक्फ कब्रिस्तान की पवित्र भूमि पर खुलेआम अवैध कब्जा कर पक्के दुकानों का निर्माण किया गया है। यह कार्य कुछ प्रभावशाली भूमाफियाओं द्वारा, स्थानीय प्रशासनिक जिम्मेदारों की मिलीभगत से किया गया है। जो कि न केवल वक्फ अधिनियम की सीधी अवहेलना है। बल्कि मुस्लिम समाज की धार्मिक भावनाओं के साथ भी क्रूर खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि कब्रिस्तान की जमीन पर कब्जा करना न सिर्फ. असंवैधानिक है। बल्कि यह एक सोची-समझी साजिश प्रतीत होती है। जिसके पीछे जमीनी संरक्षण और भ्रष्टाचार का खुला गठजोड़ दिखाई देता है। यदि इस पर त्वरित कार्रवाई नहीं की गई तो क्षेत्र में सामाजिक तनाव और अशांति की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। सुभासपा जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने ओमप्रकाश राजभर से आग्रह किया कि उक्त वक्फ संपत्ति पर किए गए अवैध कब्जे व निर्माण को बुलडोजर चलाकर तत्काल ध्वस्त कराया जाए। दोषी भूमाफियाओं व सहकारितापूर्वक कार्य करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध वक्फ अधिनियम, आईपीसी व भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत सख्त दंडात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। वक्फ संपत्तियों की निगरानी और संरक्षा के लिए एक प्रभावी स्थानीय समिति का गठन कराया जाए। यह मामला केवल जमीन के एक टुकड़े का नहीं बल्कि कानून, व्यवस्था और न्याय के मूल सिद्धांतों की रक्षा का है। यदि न्याय न हुआ तो हम इस मुद्दे को लेकर सड़क से सदन तक आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

बर्तन बनाने के लिए प्रसिद्ध समुदाय भगवान ब्रह्मा का वंशज:- विपिन सागर

गजरौला/ अमरोहा (सब का सपना):- नगर में आयोजित भगवान श्री दक्ष प्रजापति जी की पवन जयंती के अवसर पर भाजपा नेता विपिन सागर द्वारा पुरातन समय से देश ओर दुनिया का मार्ग प्रशस्त करने वाले भगवान दक्ष जी के जीवन ओर उनके दिखाए मार्ग पर अपना विषय रखते हुए कहा कि प्रजापति समाज, जिसे कुम्हार समाज भी कहा जाता है, भारत का एक प्राचीन समुदाय है जो मिट्टी के बर्तन बनाने के लिए प्रसिद्ध है। यह समुदाय भगवान ब्रह्मा (जिन्हें प्रजापति भी कहा जाता है) का वंशज है, और इसीलिए "प्रजापति" नाम से जाना जाता है. वेदों और पुराणों में भी प्रजापति का उल्लेख मिलता है, जहाँ उन्हें सृजनकर्ता के रूप में दशार्या गया है। प्रजापति समाज का इतिहास एक पौराणिक कथा के अनुसार, भगवान ब्रह्मा ने अपने पुत्रों को गन्ने वितरित किए, लेकिन कुम्हार (जो बाद में प्रजापति कहलाए) काम में व्यस्त होने के कारण गन्ना खाना भूल गए। बाद में, उन्होंने उस गन्ने को मिट्टी के ढेर के पास रख दिया, जिससे वह अंकुरित होकर पौधा बन गया। जब ब्रह्मा जी ने गन्ने मांगे, तो कुम्हार ने पूरा पौधा उन्हें भेंट किया। इससे प्रसन्न होकर, ब्रह्मा जी ने उन्हें प्रजापति की उपाधि दी, और तब से वे प्रजापति के नाम से जाने जाने लगे।

अमरोहा पुलिस द्वारा विशेष अभियान के अंतर्गत 17 वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देश पर जनपद पुलिस द्वारा वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये गये विशेष अभियान के अंतर्गत 17 वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। अभियान के दौरान थाना अमरोहा देहात पुलिस द्वारा 04 वारंटी अभियुक्त, थाना डिडौली पुलिस द्वारा 01 वारंटी अभियुक्त, थाना नौगावां सादात पुलिस द्वारा 02 वारंटी अभियुक्त, थाना मंडी धनौरा पुलिस द्वारा 04 वारंटी अभियुक्त, थाना बछरायूं पुलिस द्वारा 02 वारंटी अभियुक्त, थाना रजबपुर पुलिस द्वारा 01 वारंटी अभियुक्त, थाना हसनपुर पुलिस द्वारा 01 वारंटी अभियुक्त व थाना आदमपुर पुलिस द्वारा 02 वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार किये गये हैं।

इंस्टा पर हुआ दो बच्चों की मां को प्यार, तीज मनाने की बात कह दूसरी बार भागी

अमरोहा: यूपी के अमरोहा स्थित डिडौली क्षेत्र निवासी एक महिला की इंस्टाग्राम पर एटा जिले के युवक से दोस्ती हो गई। कुछ ही दिनों में दोस्ती प्यार में बदल गई। महिला दो बच्चों की मां है। 28 दिन पहले विवाहिता प्रेमी के साथ चली गई तो पति मनाकर अपने साथ ले आया। अब विवाहिता ने कोतवाली में पहुंचकर पति के साथ रहने से इनकार कर दिया। वह बोली पति के नहीं प्रेमी के साथ रहेगी। पुलिस ने विवाहिता को समझाकर उसके मायके वालों के सुपुर्द कर दिया। 2021 में हुई थी महिला की शादी मुरादाबाद जिले के बिलारी थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी युवक दिल्ली में राजमिस्त्री है। 2021 में उसकी शादी संभल जनपद के असमौली थानाक्षेत्र के गांव निवासी युवती के साथ हुई थी। शादी के बाद युवक पत्नी को लेकर दिल्ली में रहने लगा। उसके दो बच्चे भी हैं। इस दौरान विवाहिता की पहचान इंस्टाग्राम पर जनपद एटा के एक युवक से हो गई। दोनों की मोबाइल पर बातचीत होने लगी।

दिव्यांग बच्चों के लिए लगेंगे मेडिकल असेसमेंट कैंप, परीक्षण कर बनाए जाएंगे प्रमाण पत्र

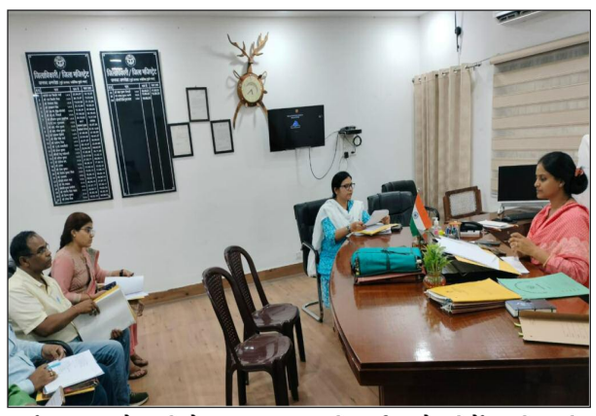

अमरोहा। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित उनके सभाकक्ष में मेडिकल एसेसमेंट कैम्प आयोजित कराए जाने के संबंध में बैठक आहूत की गई। समग्र शिक्षा के अन्तर्गत समेकित शिक्षा में वर्ष 2025-26 में विशिष्ट आवश्यकता वाले (दिव्यांग) बच्चों की दिव्यांगता का आकलन कर दिव्यांगता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से मेडिकल एसेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाना है। इन कैंपों में दिव्यांगता परीक्षण कर प्रमाणपत्र बनाए जाएंगे। मेडिकल एसेसमेंट कैम्प आयोजित कराने हेतु चिकित्सकों के दल में एक आथोर्पेडिक सर्जन, एक ई०एन०टी० सर्जन, एक नेत्र विशेषज्ञ, एक साइकोलाजिस्ट / साइकिट्रिशियन एवं एक ऑडियोलॉजिस्ट सम्मिलित होंगे। जिलाधिकारी ने बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि स्वास्थ्य विभाग से समन्वय कर ऐसी तिथियां निर्धारित करें जिससे ज्यादा से ज्यादा दिव्यांग बच्चों के प्रमाणपत्र बनाए जा सके। उन्होंने निर्देश दिए कि मेडिकल एसेसमेंट कैम्प में आंगनबाड़ी केन्द्र के विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों एवं सहायता प्राप्त अशासकीय विद्यालयों के विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों की भी प्रतिभागिता करायी जाये। आंगनबाड़ी केन्द्र के बच्चों को कैम्प में प्रतिभाग कराने हेतु उनके अभिभावक / केन्द्र की कार्यकत्री को प्रेरित किया जाये। इसके साथ ही ससमय मेडिकल कैम्प आयोजन की तिथियों से उन्हें अवगत कराया जाये। इस अवसर पर बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 मोनिका सिंह, डिप्टी सीएमओ सहित संबंधित उपस्थित रहे।

प्रोबेशन विभाग द्वारा तहसील एवं विकासखण्ड स्तर पर लगाए जाएंगे शिविर

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के निदेर्शों के क्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी राकेश सिंह ने बताया कि पति की मत्युपरांत निराश्रित महिला (विधवा पेंशन) के सभी लाभार्थियों का पोर्टल पर आधार नंबर व मोबाइल नंबर का लिंक किया जाना शासन द्वारा अनिवार्य कर दिया गया है। लाभार्थी जनसुविधा केंद्र, साइबर कैफे, इंटरनेट केंद्र पर जाकर अथवा https//sspy-up-gov.in पर आधार नंबर व मोबाइल नंबर लिंक करा सकते हैं। इसके अलावा लाभार्थियों की सुविधा के दृष्टिगत तहसीलों व ब्लाक स्तर पर शिविरों का आयोजन किया जाएगा। अमरोहा तहसील पर 30 जुलाई, नौगावां सादात पर 31 जुलाई, धनौरा पर एक अगस्त व हसनपुर तहसील पर दो अगस्त को शिविर लगेगा। धनौरा ब्लाक पर चार अगस्त, हसनपुर ब्लॉक पर पांच अगस्त, गंगेश्वरी ब्लॉक पर छह अगस्त, अमरोहा ब्लॉक पर सात अगस्त, जोया ब्लॉक पर आठ अगस्त और गजरौला ब्लॉक पर 11 अगस्त को शिविर लगाया जाएगा। उन्होंने सभी लाभार्थियों से अनुरोध करते हुए कहा कि नियत तिथि पर पूर्वाह्न 11 बजे अपने साथ रजिस्टर्ड बैंक खाता पासबुक, राशन कार्ड व आधार कार्ड प्रमाणीकरण हेतु कैम्प में लाना सुनिश्चित करे। अन्यथा की स्थिति में उनकी पेंशन न आने की समस्या का सामना करना पड सकता है। इस सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की समस्या हेतु कार्यालय जिला प्रोबेशन अधिकारी, कक्ष संख्या 09 विकास भवन, जोया रोड अमरोहा में सम्पर्क किया जा सकता है।

वक्फ कब्रिस्तान की भूमि पर अवैध कब्जे व निर्माण को ध्वस्त कराने की माँग

अमरोहा (सब का सपना):- सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी अमरोहा के जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने अमरोहा के मौहल्ला सराय कोहना स्थित वक्फ कब्रिस्तान की भूमि पर किए गए अवैध कब्जे व निर्माण को तत्काल ध्वस्त कराने की माँग को लेकर वक्फ मंत्री को संबोधित एक ज्ञापन सुभासपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ओमप्रकाश राजभर को सौंपा। सौंपे गए ज्ञापन में सुभासपा जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने कहा कि अमरोहा के मौहल्ला सराय कोहना में स्थित वक्फ कब्रिस्तान की पवित्र भूमि पर खुलेआम अवैध कब्जा कर पक्के दुकानों का निर्माण किया गया है। यह कार्य कुछ प्रभावशाली भूमाफियाओं द्वारा, स्थानीय प्रशासनिक जिम्मेदारों की मिलीभगत से किया गया है। जो कि न केवल वक्फ अधिनियम की सीधी अवहेलना है। बल्कि मुस्लिम समाज की धार्मिक भावनाओं के साथ भी क्रूर खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि कब्रिस्तान की जमीन पर कब्जा करना न सिर्फ.असंवैधानिक है। बल्कि यह एक सोची-समझी साजिश प्रतीत होती है। जिसके पीछे जमीनी संरक्षण और भ्रष्टाचार का खुला गठजोड़ दिखाई देता है। यदि इस पर त्वरित कार्रवाई नहीं की गई तो क्षेत्र में सामाजिक तनाव और अशांति की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। सुभासपा जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने ओमप्रकाश राजभर से आग्रह किया कि उक्त वक्फ संपत्ति पर किए गए अवैध कब्जे व निर्माण को बुलडोजर चलाकर तत्काल ध्वस्त कराया जाए। दोषी भूमाफियाओं व सहकारितापूर्वक कार्य करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध वक्फ अधिनियम, आईपीसी व भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत सख्त दंडात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। वक्फ संपत्तियों की निगरानी और संरक्षा के लिए एक प्रभावी स्थानीय समिति का गठन कराया जाए। यह मामला केवल जमीन के एक टुकड़े का नहीं बल्कि कानून, व्यवस्था और न्याय के मूल सिद्धांतों की रक्षा का है। यदि न्याय न हुआ तो हम इस मुद्दे को लेकर सड़क से सदन तक आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

पिकअप और बाइक की आमने-सामने की भिड़त में बुजुर्ग घायल

बहजोई/संभल (सब का सपना):- पिकअप और बाइक की आमने-सामने की भिड़त में एक बुजुर्ग व्यक्ति बुरी तरह घायल हो गया। घायल को डायल 108 की मदद से इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद बहजोई लाया गया। मिली जानकारी के अनुसार मामला जनपद संभल के बहजोई इस्लामनगर मार्ग निकट गांव अल्लैहपुर के पास का है। राम कैलाश पुत्र बाबूराम (61) निवासी नगला खुशहाल थाना सोरों जनपद कासगंज अपनी बेटी के यहां गांव मेंथरा थाना बहजोई आया था। मंगलबार दोपहर को अपने गांव वापस जाने के लिए बाइक पर सवार होकर निकला। तभी अचानक गांव अल्लैहपुर के पास सामने की ओर से आ रही तेज रफ्तार पिकअप से भिड़ंत हो गई जिसमें बाइक सवार बुरी तरह घायल हो गया। आस पास के लोग भी मौके पर जमा हो गए और स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। ग्रामीणों द्वारा एम्बुलेंस को सूचना दी गई कुछ देर में एम्बुलेंस भी आ गई। एम्बुलेंस की मदद से घायल को सरकारी अस्पताल बहजोई भेजा गया। बाद में परिजन भी मौके पर पहुंच गए। चिकित्सकों ने प्रथम उपचार देने के बाद बताया कि अब हालत में सुधार है। परिजन घायल व्यक्ति को लेकर अपने घर चले गए।

चोरी के सामान व नकदी समेत पुलिस ने एक आरोपी किया गिरफ्तार

कुढफतेहगढ/संभल (सब का सपना):- जनपद के थाना कुढफतेहगढ पर प्रेमवती, निवासी ग्राम छावडा थाना कुढ फतेहगढ की तहरीरी सूचना पर अभियुक्त द्वारा वादिनी के घर में रखा सामान पाजेब, जंजीर आदि चोरी कर ले जाने के सम्बन्ध में थाना कुढ फतेहगढ पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया था। जिसमें 28 जुलाई को थाना कुढ फतेहगढ पुलिस टीम द्वारा मुकदमें में वांछित अभियुक्त तुल्लन उर्फ सोनू पुत्र रामवीर निवासी ग्राम छाबडा थाना कुढ फतेहगढ जनपद सम्भल को फैजुल्लापुर तिराहे के पास बने यात्री शेड से गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त के कब्जे से मुकदमा उपरोक्त में चोरी गया सामान,चांदी की जंजीर, पाजेब व 2,000 रुपये भी बरामद किये गये है। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर मुकदमें में धारा 317 बीएनएस की वृद्धि की गयी है। जिसके आधार पर पुलिस द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है।

आरडीएच फाउंडेशन ने गरीब परिवारों को घर बनाने के लिए की आर्थिक मदद

हापुड़ (सब का सपना):- आर डी एच फाउंडेशन एनजीओ गरीब, बेसहारा परिवारों के लिए देवदूत बनकर उभर रहा है। आर डी एच फाउंडेशन लगातार गरीब परिवारों की जीवन शैली को बेहतर बनाने के लिए लगातार आर्थिक मदद कर रहा है। इसी क्रम में आज आरडीएच फाउंडेशन के द्वारा तीन गरीब परिवारों को घर बनाने के लिए पचास - पचास हजार रुपए देकर उनकी आर्थिक मदद की गई। जिससे कि उनके घर बनाने का सपना साकार हो सके। वही 15 विधवा महिलाओं को ग्यारह सो - ग्यारह सो रुपए से आर्थिक सहायता दी गई। वहीं 75 महिलाओं को सूट और साड़ी का वितरण किया गया। इस दौरान आरडीएच फाउंडेशन परिवार के सदस्यों ने बताया कि फाउंडेशन का मकसद मजबूर, मजलूम, गरीब, बेसहारा, दिव्यांगो को ज्यादा से ज्यादा आर्थिक मदद करने का मकसद है। उन्होंने कहा कि आरडीएच फाउंडेशन के द्वारा लगातार जो परिवार आर्थिक या शारीरिक रूप से कमजोर है उन्हें मदद पहुंचाई जा रही है और भविष्य में भी यह मदद जारी रहेगी।

शासन द्वारा निर्धारित बाल/किशोर श्रम उन्मूलन के लक्ष्य को पूरा करने हेतु चलाया गया अभियान

संभल (सब का सपना):- श्रम विभाग संभल की टीम द्वारा बाल श्रम के विरूद्ध आम जनमानस में व्यापक जागरूकता एवं प्रचार-प्रसार करते हुए शासन द्वारा निर्धारित बाल/किशोर श्रम उन्मूलन के लक्ष्य को पूरा करने हेतु अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व मौ0 आजम, श्रम प्रवर्तन अधिकारी, संभल द्वारा थाना ए0एच0टी0यू0 टीम के साथ शहर के विभिन्न चैराहों यथा चैधरी सराय, सरायतरीन, तथा बाजार क्षेत्र में भ्रमण कर बाल श्रम उन्मूलन हेतु जागरूक किया गया। श्रम प्रवर्तन अधिकारी द्वारा सेवायोजकों एवं प्रतिष्ठान स्वामियों को अपने स्तर से स्वयं समाज में बाल श्रम के विरूद्ध जागरूक एवं प्रचार प्रसार करने हेतु आश्वस्त किया गया, जिससे शासन के निदेर्शानुसार बाल श्रम पूर्णतः मुक्त किया जा सके। अभियान के अंतर्गत बाल/किशोर श्रम के अंतर्गत कार्यरत पाये गये श्रमिकों को चिन्हित कर उनके कुल 8 सेवायोजकों के विरूद्ध नोटिस जारी किया गया। संबंधित सेवायोजकों को भविष्य में भी बाल श्रम न कराये जाने हेतु सचेत किया गया। अभियान/निरीक्षण के दौरान सत्यविजय सिंह, प्रभारी निरीक्षक थाना ए0एच0टी0यू0, ललित कुमार (प्रवर्तन लिपिक), पुष्पेन्द्र कुमार, दीपक कुमार, मौ0 शाहजेब अख्तर व अन्य सहयोगी उपस्थित रहे।

एंबुलेंस में मिलीं बीयर और शराब की बोतलें, वीडियो वायरल

ढवारसी/अमरोहा (सब का सपना):- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से संबंधित एक एंबुलेंस का चौंकाने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में एंबुलेंस की सीटों पर बीयर के डिब्बे, शराब की बोतलें और नमकीन के पैकेट पड़े हुए साफ दिखाई दे रहे हैं। जिससे यह लगता है कि एंबुलेंस चालक नशे की हालत में वाहन चलाते हैं। जो मरीजों के जीवन के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। वायरल वीडियो में एंबुलेंस को सड़क पर खड़ा दिखाया गया है। जब वीडियो बनाने वाले व्यक्ति ने एंबुलेंस की खिड़की खोली तो अंदर का दृश्य हैरान करने वाला था। सीटों पर खाने-पीने की चीजों के साथ शराब और बीयर की बोतलें बिखरी पड़ी थीं। एंबुलेंस का उपयोग मरीजों को लाने-ले जाने के बजाय शराब पीने और पार्टी करने के लिए किया जा रहा था। इस घटना से स्वास्थ्य सेवाओं और मरीजों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। जब इस मामले मे ढवारसी सीएचसी प्रभारी डॉ इमरान से संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि मामला उनके संज्ञान में नहीं है।

मुख्य विकास अधिकारी ने उ.प्रा. विद्यालय टियाला तथा प्रा.वि. असौड़ा का किया निरीक्षण

हापुड़ (सब का सपना):- हिमांशु गौतम मुख्य विकास अधिकारी हापुड़ के द्वारा उच्च प्राथमिक विद्यालय टियाला व प्राथमिक विद्यालय असौड़ा विकासखंड हापुड़ का औचक निरीक्षण किया गया। प्राथमिक विद्यालय टियाला में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा छात्राओं की शिक्षा गुणवत्ता परखी इसके उपरांत मुख्य विकास अधिकारी ने अध्यापकों को निर्देश दिए की कुछ छात्रों की शिक्षा पद्धति पर विशेष ध्यान दिया जाए। प्राथमिक विद्यालय में साफ सफाई की व्यवस्था के निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा प्राथमिक विद्यालय में छात्रछात्राओं को दिए जाने वाले मिड डे मील की गुणवत्ता की भी जांच की। इसके उपरांत प्राथमिक विद्यालय असौड़ा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय सभी अध्यापक गण उपस्थित मिले। सीडीओ ने प्रधानाध्यापक को निर्देश दिए कि बच्चों की उपस्थिति शत प्रतिशत कराना सुनिश्चित करें। कक्षा एवं विद्यालय परिसर में साफ सफाई की व्यवस्था सही पाई गई।

शासन की योजनाओं को धरातल पर उतारना और जनता की शिकायतों का समाधान करना डीएम की प्राथमिकता

अमरोहा (सब का सपना):- जिले की जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने जिला प्रशासन को और अधिक जवाबदेह और जन-केंद्रित बनाने के लिए कड़े निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा है कि जनता की समस्याओं का समाधान समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से किया जाए। यह निर्देश उन्होंने अपने कार्यभार ग्रहण करने के बाद जिले में प्रशासनिक कार्यप्रणाली को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से दिए। निधि गुप्ता वत्स, जो 2015 बैच की आईएएस अधिकारी हैं, ने अपनी पहली तैनाती के रूप में अमरोहा के जिलाधिकारी का पद संभाला है। उनकी यह नियुक्ति जिले में विकास और प्रशासनिक सुधारों की नई उम्मीदें जगा रही है। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने अपने कार्यकाल की शुरूआत में ही स्पष्ट कर दिया कि शासन की योजनाओं को धरातल पर उतारना और जनता की शिकायतों का त्वरित निस्तारण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि जनता दर्शन जैसे मंचों के माध्यम से फरियादियों की समस्याओं को सुनकर उनका गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। इसके लिए उन्होंने सभी अधिकारियों को कार्यदिवसों में शासन द्वारा निर्धारित समय पर जनता दर्शन में उपस्थित रहने और शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने की बात कही और अधिकारियों को चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निधि गुप्ता ने यह भी निर्देश दिया कि सभी विभागीय कार्य समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएं और कोई भी कार्य पटल पर लंबित न रहे। जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई शिकायतों का तत्काल समाधान करने पर भी उन्होंने जोर दिया। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि निवेशकों को भयमुक्त वातावरण प्रदान किया जाएगा और उनकी समस्याओं, जैसे कि एनओसी, जमीन और बैंकिंग से संबंधित मुद्दों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। इसके साथ ही, उन्होंने जिले को स्वच्छता और विकास के मामले में एक आदर्श जिला बनाने का लक्ष्य रखा है। निधि गुप्ता वत्स की यह पहल अमरोहा जिले के लिए एक नई दिशा प्रदान कर सकती है। उनके द्वारा उठाए गए कदम और प्रशासनिक सुधारों पर जनता की नजरें टिकी हैं।

जिले में नदियों का जीर्णोद्धार कराकर भागीरथ बने मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- अमरोहा जनपद उत्तर प्रदेश का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक धरोहर के लिए जाना जाता है। इस जिले की गंगा और कृष्णा जैसी प्रमुख नदियां इसकी जीवनरेखा हैं। हाल ही में, अमरोहा जिले के मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) अश्वनी कुमार मिश्र ने जिले में नदियों के संरक्षण और जीर्णोद्धार के लिए एक महत्वाकांक्षी पहल शुरू की है। इस पहल का उद्देश्य नदियों को प्रदूषण से मुक्त करना, उनके प्राकृतिक प्रवाह को पुनर्जनन करना और स्थानीय समुदायों को इन जलस्रोतों से जोड़ना है। अमरोहा जिले में गंगा और कृष्णा नदियां न केवल कृषि और पेयजल के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि ये सांस्कृतिक और धार्मिक दृष्टिकोण से भी विशेष स्थान रखती हैं। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में औद्योगिक कचरे, अनियंत्रित शहरीकरण और मानवीय गतिविधियों के कारण इन नदियों का जल प्रदूषित हो गया है। नदियों के किनारे अतिक्रमण और जल प्रवाह में कमी ने इनके पारिस्थितिकी तंत्र को गंभीर नुकसान पहुंचाया है। इस समस्या को देखते हुए, अश्वनी कुमार मिश्र ने नदियों के जीर्णोद्धार के लिए एक समग्र योजना तैयार की है। इस अभियान के तहत, सबसे पहले नदियों के किनारों से अतिक्रमण हटाने का कार्य शुरू किया गया। अवैध निर्माण और कचरे के ढेर को हटाकर नदियों के प्राकृतिक मार्ग को खोलने का प्रयास

किया जा रहा है। इसके साथ ही, नदियों में बहने वाले औद्योगिक और घरेलू कचरे को रोकने के लिए सख्त नियम लागू किए गए हैं। स्थानीय प्रशासन ने औद्योगिक इकाइयों को अपने अपशिष्ट जल को शुद्ध करने के लिए उपचार संयंत्र स्थापित करने का निर्देश दिया है। इसके अतिरिक्त, नदियों के किनारे वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है, ताकि मिट्टी का कटाव रोका जा सके और नदियों का पारिस्थितिकी तंत्र मजबूत हो। अश्वनी कुमार मिश्र ने इस पहल में स्थानीय समुदाय की भागीदारी को विशेष महत्व दिया है। उन्होंने ग्राम पंचायतों और स्वयंसेवी संगठनों के साथ मिलकर जागरूकता अभियान शुरू किए हैं। इन अभियानों के माध्यम से लोगों को नदियों के महत्व और उनके संरक्षण की आवश्यकता के बारे में शिक्षित किया जा रहा है। स्कूलों और कॉलेजों में बच्चों को नदियों के प्रति जिम्मेदारी का भाव जगाने के लिए कार्यशालाएं आयोजित की गई हैं। इसके अलावा, स्थानीय किसानों को नदियों के जल का उचित उपयोग करने और रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से बचने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस परियोजना के तहत, नदियों के जल को शुद्ध करने के लिए जैविक और प्राकृतिक तरीकों का उपयोग किया जा रहा है। नदियों में जलकुंभी और अन्य अवांछित पौधों को हटाने के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं। साथ ही, नदियों के किनारे छोटे-छोटे तालाब और जलाशय बनाए जा रहे हैं, जो बरसाती पानी को संग्रहित करने में मदद करेंगे। इससे न केवल नदियों में जल का प्रवाह बढ़ेगा, बल्कि भूजल स्तर को भी सुधारा जा सकेगा। अश्वनी कुमार मिश्र का यह प्रयास न केवल नदियों को पुनर्जनन देगा, बल्कि अमरोहा जिले के पर्यावरणीय संतुलन को भी बनाए रखेगा। इस पहल से स्थानीय लोगों में नदियों के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी का भाव जागृत हुआ है। यह अभियान नदियों को उनके मूल स्वरूप में लाने और आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों को सुरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सड़क हादसे में युवक की मौत

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- सड़क दुर्घटना में 21 वर्षीय युवक की मौत हो गई। हसनपुर के मोहल्ला चमन निवासी आमान गजरौला से अपने घर आ रहा था। गांव सिहाली जागीर के पास उसकी बाइक विपरीत दिशा से आ रही बाइक से टकरा गई। हादसे में आमान गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंचे परिजन उसे उपचार के लिए दिल्ली ले जा रहे थे। रास्ते में ही अमान की मौत हो गई। आमान की मौत से परिवार में चीख पुकार मच गई। अमान बेंगलुरु में वीगो कंपनी में काम करता था। परिजनों ने बिना किसी कानूनी कार्रवाई के शव को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया।

घर के सामने सो रहे किसान पर सांड़ ने किया हमला

आदमपुर/अमरोहा (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के गांव शाहबाजपुर ढोला निवासी जाहिद हुसैन सोमवार की रात अपने घर के सामने चारपाई पर सो रहे थे। दो सांड़ लड़ते हुए आए और एक सांड़ ने जाहिद पर हमला कर दिया। सांड़ ने जाहिद को उठाकर पटक दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। चीख सुनकर मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंचे और बमुश्किल सांड़ को भगाया। घायल किसान को निजी चिकित्सक के पास भर्ती कराया गया है। बेसहारा पशुओं के हमलों से ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। उन्होंने पशुओं को गोशाला भिजवाने की मांग की है।

पालिका धाम को एनडीएमसी ने घोषित किया जर्जर, फिर भी यही रहने पर अड़े एनडीएमसी कर्मी, 30 जुलाई तक खाली करने हैं आवास

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने गोल मार्केट स्थित पालिका धाम कर्मचारी आवासीय परिसर को जर्जर घोषित कर दिया है। फिर भी एनडीएमसी के कर्मचारी मकान खाली न करने पर अड़ गए हैं जबकि 30 जुलाई तक सभी कर्मचारियों को यह आवास खाली करने हैं। कर्मचारियों का कहना है कि वह आखिरी समय में कहां जाएं? एनडीएमसी वैकल्पिक आवास देने की बात तो कर रहा है लेकिन पूर्व के अनुभव बताते हैं ऐसी स्थिति में न तो कर्मचारियों को मकान मिले हैं और न ही वैकल्पिक व्यवस्था। इसकी वजह से कर्मचारी मकान न खाली करने पर अड़े हुए हैं। ले रहे हर तरह की दुर्घटना की जिम्मेदारी कर्मचारियों का कहना है कि वह दिल्ली के पीडब्ल्यूडी मंत्री

और स्थानीय विधायक से सोमवार को मिलेंगे और उन्हें पत्र देंगे। सूत्र बताते हैं कि कर्मचारी हलफनामा देंगे कि वह इन आवास में रहने के लिए तैयार है। अगर इमारत में कोई दुर्घटना होती है तो इसके जिम्मेदार यहां के परिवार ही और नागरिक होंगे। कई स्थानों पर सरिया दिख रही जगह-जगह टाइलें टूटी हुई हैं। कई स्थानों पर सरिया दिख रहे हैं। वहीं पलस्टर भी बार-बार टूटकर गिर जाता है। कई बार यहां प लोग चोटिल भी इसके कारण हो चुके हैं। पीडब्ल्यूडी मंत्री को लिखेंगे पत्र यहां पर रहने वाले कर्मचारी इसकी स्थिति खराब तो बताते हैं और उन्हें डर भी है लेकिन आवासीय स्थायी व्यवस्था न होने की वजह यह वह यहां से मकान खाली नहीं कर रहे है। रेजिड़ेंट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष व बिजली विभाग से सेवानिवृत्त राजू ढकोलिया का कहना है कि यहां से कोई भी व्यक्ति मकान खाली नहीं करेगा। हमारी प्रवेश वर्मा (पीडब्ल्यूडी मंत्री) से बात हो रही है। हम उन्हें पत्र लिखकर देंगे। ई-आवास पोर्टल पर नाम और विवरण दर्ज करें वहीं, एनडीएमसी के अनुसार 11 जुलाई को नोटिस जारी कर निवासियों को यहां के स्थान पर वैकल्पिक आवास के लिए आवेदन करने हेतु 14 से 16 जुलाई का समय दिया गया था। इस दौरान इन कर्मचारियों को एनडीएमसी के ई-आवास पोर्टल पर अपना नाम और विवरण दर्ज कराने के लिए कहा गया था ताकि उन्हें वैकल्पिक आवास मिल जाए।

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (नडीएमसी) द्वारा पालिका धाम कर्मचारी आवासीय परिसर को जर्जर घोषित करने के बाद कर्मचारी आवास खाली करने को तैयार नहीं हैं। उनका कहना है कि वैकल्पिक आवास का वादा पूरा नहीं होता।

कन्हैया लाल हत्याकांड पर बनी उदयपुर फाइल्स में लगे छह कट, दिल्ली हाईकोर्ट में होगी सुनवाई

नई दिल्ली। कन्हैया लाल की हत्या पर आधारित उदयपुर फाइल्सः कन्हैया लाल टेलर मर्डर के निमार्ताओं ने सोमवार को दिल्ली हाईकोर्ट को सूचित किया कि फिल्म में छह कट लगाए गए हैं और फिल्म का पुनः प्रमाणन अभी लंबित है। वहीं, इस पर पीठ ने मामले की सुनवाई 30 जुलाई के लिए निर्धारित कर दी। अदालत जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी और मोहम्मद जावेद (कन्हैया लाल हत्याकांड के एक आरोपी) द्वारा फिल्म की रिलीज पर आपत्ति जताने वाली याचिकाओं पर विचार कर रही है। वहीं, हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने फिल्म के प्रसारण पर रोक लगाने से इनकार करते हुए याचिकाकताओं को हाईकोर्ट से संपर्क करने का निर्देश दिया था। 25 जुलाई को सर्वोच्च न्यायालय ने फिल्म की रिलीज पर आपत्ति जताने वाले पक्षों से कहा था कि वे केंद्र के पुनरीक्षण आदेश को चुनौती देने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट जाएं। केंद्र सरकार ने छह कट लगाने के साथ फिल्म के प्रसारण को मंजूरी दी गई थी।

कौन होगा दिल्ली का अगला पुलिस कमिश्नर? सस्पेंस के बीच दौड़ में सबसे आगे ये नाम; सिर्फ 3 दिन का इंतजार

नई दिल्ली। पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा का कार्यकाल अब महज तीन दिन ही शेष बचा है। पुलिस महकमे में इसको लेकर चर्चा तेज हो गई है कि अगला पुलिस आयुक्त कौन होगा? क्या इस बार भी केंद्र सरकार बाहरी कादर से किसी वरिष्ठ आइपीएस अधिकारी को नियुक्त करेगी या फिर यूटी कादर के किसी अधिकारी को यह जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। इस पर अभी सस्पेंस बना हुआ है। तमिलनाडु कादर के 1988 बैच के आइपीएस अधिकारी संजय अरोड़ा का कार्यकाल 31 जुलाई को समाप्त हो रहा है। वे अगस्त 2022 में दिल्ली के पुलिस आयुक्त नियुक्त किए गए थे। इससे पहले वे भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के महानिदेशक रह चुके हैं। बताया गया कि जी-20 शिखर सम्मेलन की सुरक्षा को सफलतापूर्वक संचालित करने में उनकी बड़ी भूमिका रही है। वर्तमान परिस्थितियों में उनके सेवा विस्तार की भी चचाएं हैं, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। बाहरी कादर के दो नाम सबसे आगे यदि इस बार भी बाहरी कादर से नियुक्ति होती है, तो दो नाम प्रमुखता से चर्चा में हैं- पहला नाम ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह (जीपी सिंह) का है। वह असम कादर के 1991 बैच के अधिकारी हैं और वर्तमान में सीआरपीएफ के डीजी हैं। वे असम के डीजीपी भी रह चुके हैं। बताया जा रहा है कि उनके नाम की सिफारिश असम के मुख्यमंत्री की ओर से की गई है। दूसरा नाम शत्रुजीत कपूर का है। वह हरियाणा कादर के 1990 बैच के अधिकारी हैं और वर्तमान में हरियाणा के डीजीपी हैं। उनके नाम की सिफारिश हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा की गई है।

'रोजगार पाने तक रखरखाव भत्ते की हकदार उच्च शिक्षित महिला, दिल्ली हाई कोर्ट की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली। पारिवारिक कोर्ट के निर्णय बरकरार रखते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि एक उच्च शिक्षित महिला जब तक रोजगार या आय का स्रोत विकसित करने में सक्षम नहीं हो जाती तब तक वह पति द्वारा सहायता पाने की हकदार है। अदालत ने कहा कि निश्चित तौर पर उच्च योग्यता प्राप्त महिला को प्रयास करने पर नौकरी मिल सकती थी, लेकिन इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि वह वर्तमान में नौकरी नहीं कर रही है। अदालत ने कहा कि यह भी नहीं कहा जा सकता है कि उसने जानबूझकर नौकरी छोड़ी थी, क्योंकि उसे शादी के बाद ऑस्ट्रेलिया जाने पर नौकरी छोड़नी पड़ी थी। पति ने पारिवारिक न्यायालय के आदेश को दी थी चुनौती परिवार न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली पति की याचिका को खारिज करते हुए पीठ ने कहा कि भरण-पोषण का आदेश केवल अंतरिम था, इसका तात्पर्य यह था कि अंतरिम भरण-पोषण आदेश आय के हलफनामे पर विचार करने के बाद, दोनों पक्षों की वित्तीय क्षमता और जिम्मेदारियों को ध्यान में रखते हुए बनाया जाएगा। पीठ ने कहा कि अंतरिम भरण-पोषण आदेश अंतरिम भरण-पोषण आवेदन पर निर्णय होने तक महिला को तत्काल राहत प्रदान करता है। अपीलकर्ता ने एक लाख रुपये का अंतरिम रखरखाव देने का निर्देश देने संबंधी पारिवारिक न्यायालय के आदेश को चुनौती दी। अपीलकर्ता पति ऑस्ट्रेलियाई नागरिक है।उसने तर्क दिया कि प्रतिवादी शैक्षिक महिला है और उसने स्वेच्छा से काम न करने का फैसला किया था।

दिल्ली वक्फ बोर्ड घोटाला: आप विधायक अमानतुल्लाह खान की बढ़ी मुश्किल, सीबीआई मामले में आरोप तय

नई दिल्ली। दिल्ली वक्फ बोर्ड में नियुक्तियों में अनियमितताओं से जुड़े मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने आम आदमी पार्टी (आप) से विधायक अमानतुल्लाह खान और 10 अन्य आरोपितों के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं। यह मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दर्ज किया गया था। कोर्ट ने अमानतुल्लाह खान पर आपराधिक साजिश और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13 के तहत आरोप तय किए हैं। जांच एजेंसी ने 31 अगस्त 2022 को आरोपपत्र दाखिल किया था। नियमों को ताक पर रखकर की गई नियुक्तियां आरोपपत्र के मुताबिक,

अमानतुल्लाह ने दिल्ली वक्फ बोर्ड के चेयरमैन के रूप में अपने पद का दुरुपयोग करते हुए 2016 से 2021 के बीच नियमों को ताक पर रखकर कई अवैध नियुक्तियां की। जांच एजेंसी का कहना है कि इन नियुक्तियों में न तो कोई विज्ञापन निकाला गया और न ही पात्रता मानकों का पालन किया गया। सीबीआई ने इस मामले में कुल 11 लोगों को आरोपित बनाया है, जिनमें वक्फ बोर्ड से जुड़े कर्मचारी और फायदा पाने वाले व्यक्ति शामिल हैं। एजेंसी का कहना है कि यह भर्ती प्रक्रिया एक पूर्व नियोजित साजिश के तहत की गई थी, जिससे सरकारी पदों का दुरुपयोग हुआ। क्या है मामला यह मामला सबसे पहले 2016 में सामने आया था और तभी से इसकी जांच जारी है। सीबीआई अपनी जांच में पाया कि अमानतुल्लाह ने अपने पद का फायदा उठाकर नियमों को दरकिनार किया और अपने पसंदीदा लोगों को लाभ पहुंचाया। फिलहाल, सभी आरोपितों पर आरोप तय होने के बाद अब इस मामले की नियमित सुनवाई शुरू होगी।

हाईकोर्ट ने दिल्ली पुलिस से मांगा जवाब, आसिफ इकबाल ने आदेश के खिलाफ दायर की थी याचिका

नई दिल्ली। जामिया नगर इलाके में सीएए विरोधी प्रदर्शनों के दौरान हिंसा से संबंधित एक मामले में आरोप तय किए जाने के आदेश को आसिफ इकबाल तन्हा ने दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है। याचिका पर हाईकोर्ट ने नोटिस जारी कर दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा है। ट्रायल कोर्ट ने सात मार्च को तन्हा के विरुद्ध आरोप तय किए थे। अदालत ने तन्हा के साथ शरजील इमाम सहित सह-आरोपितों की याचिकाओं को 30 अक्टूबर के लिए तय कर दिया। ट्रायल कोर्ट ने इमाम, तन्हा और नौ अन्य लोगों के खिलाफ मामले में आरोप तय किए थे। अदालत ने रिकॉर्ड पर लिया था कि शरजील इमाम का बयान न केवल भड़काने वाला था, बल्कि हिंसा भड़काने की एक बड़ी साजिश का सरगना भी था।

केंद्रीय सलाहकार भारत सरकार के सदस्य धीरेन्द्र कुमार वाल्मीकि का एक दिवसीय जनपद भ्रमण कार्यक्रम आज

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- धीरेन्द्र कुमार वाल्मीकि, सदस्य प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पी.एम. अजय), केन्द्रीय सलाहकार समिति भारत सरकार का एक दिवसीय जनपद भ्रमण कार्यक्रम प्रस्तावित है। वह आज दोपहर 01.30 बजे सर्किट हाउस अमेठी पहुंचेंगे। उसके बाद डी0पी0आर0ओ0, जिला समाज कल्याण अधिकारी विकास, हाइड्रिल एक्स0ई0एन0, शिडको, सी०एम० ओ०, जी०एम० जल निगम, जी०एम० जल संस्थान, डी०एस०ओ०, सचिव मण्डी के साथ प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना की बैठक में प्रतिभाग करेंगे। दोपहर 1:30 बजे जिला विकास अधिकारी, समस्त वी0डी0ओ0, पी०डब्ल्यू०डी० एक्स0ई0एन0 के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। साथ ही गांव में चिन्हित, फीडिंग स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण में बने शौचालय की रिपोर्ट, उज्जवला योजना में हुए कनेक्शन, सौभाग्य योजना के तहत कितने कनेक्शन हुये, जीवन ज्योति बीमा व स्वास्थ्य बीमा योजना में कितने लाभार्थी, वैक्सीनेशन कितने लोगों का लगा, कितने लोगों के मुद्रा स्वास्थ्य कार्ड बने, कितने स्ट्रीट लाइट लगी, कितने हैडपैम्प लगे। प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के अन्तर्गत हो रहे कार्य को देखेगें। 50 प्रतिशत से अधिक दलित आवादी वाले गांव, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत चिन्हित गांवो में विकास की सूची का अवलोकन करेंगे। उसके बाद प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री की महत्वकांक्षी योजनाओं की समीक्षा करेंगे। जिसमें समस्त अधिकारी उपस्थित रहेगें। तदोपरान्त जिले के सभी नगर पालिका व नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी के साथ एम०एस०एक्ट 2013 जनपद में लागू पालन कराने के सम्बन्ध में आयोजित बैठक में प्रतिभाग करेंगे तथा कार्यक्रम समाप्ति के बाद जनपद से प्रस्थान करेगें।

बिना परमिट और फिटनेस के सड़कों पर दौड़ रहे ग्रामीण सेवा ऑटो, क्या यातायात पुलिस और परिवहन विभाग की है सांठगांठ!

पूर्वी दिल्ली। न परमिट, न फिटनेस, न बीमा, फिर भी ग्रामीण सेवा ऑटो बेधड़क सड़कों पर दौड़ रहे हैं। सवारी बैठा रहे हैं। लोगों की जान के लिए खतरा बने हुए हैं। यह हाल किसी पिछड़े इलाके का नहीं, देश की राजधानी दिल्ली का है। आश्चर्य तो यह जानकर होगा कि कई ग्रामीण सेवा ऑटो एक दशक से अधिक समय से यातायात नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। न परिवहन विभाग और न ही यातायात पुलिस उनका कुछ बिगाड़ पाई है। यहां हर किसी के जेहन में सवाल उठ रहा होगा कि ऐसा कैसा हो रहा है। जवाब यह है कि इन दोनों विभागों से सांठगांठ किए बगैर कोई ऑटो सड़क पर दौड़ना तो दूर, उतर तक नहीं सकता। नौ ऑटो की पड़ताल की खजूरी पुश्ता रोड, विवेक विहार, दिलशाद गार्डन, शास्त्री पार्क, दुगार्पुरी रोड, वजीराबाद रोड, खुरेजी, झील रोड पर ग्रामीण सेवा ऑटो चलते हैं। ज्यादातर खटारा हालत में हैं। ऑटो के ढांचे से कई हिस्से गायब हो चुके हैं। हेडलाइट, टेल लाइट और डिपर खराब पड़े हैं। जागरण संवाददाता ने अलग-अलग लोकेशन पर जाकर ऐसे नौ ऑटो की पड़ताल की। एमपरिवहन एप्प पर उनके नंबर डाल कर देखे तो पाया कि सभी बुराड़ी क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में पंजीकृत हैं। सभी ऑटो अवैध रूप से दौड़ रहे हैं, उनके परमिट की अवधि खत्म हो चुकी है। किसी के पास वर्षों से बीमा नहीं है। फिटनेस और प्रदूषण नियंत्रण (पीयूसी) प्रमाण पत्र भी वर्षों पहले एक्सपायर हो चुका है। ऑटो गैर कानूनी रूप से दौड़ते नजर आए खजूरी चौक परसवारी बैठा रहे एक ग्रामीण सेवा ऑटो के नंबर से रिकार्ड पता किया गया तो उसका परमिट मई 2016 और फिटनेट मई 2014 में एक्सपायर मिली। वर्ष 2012 से उसका बीमा नहीं हुआ है। दो साल से पीयूसी के बिना वह सड़क पर ऑटो दौड़ा रहा है। इस चौक पर छह ऑटो चेक किए गए, सभी में यही कमियां मिलीं। दिलशाद गार्डन से बलदेव पार्क के बीच दौड़ रहे तीन ऑटो की पड़ताल की गई तो इनकी भी फिटनेस और परमिट अवधि खत्म पाई। विवेक और दुगार्पुरी चौक के पास भी इसी तरह से ऑटो गैर कानूनी रूप से दौड़ते नजर आए।

जनपद के थानों द्वारा पैदल गश्त करते हुए संदिग्धों की चेकिंग की गयी

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- शांति, सुरक्षा तथा कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु आज को पुलिस अधीक्षक अमेठी अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी शैलेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में, मिशन शक्ति नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन के दृष्टिगत महिलाओं व बालिकाओं

में सशक्तिकरण व विश्वास का वातावरण तथा आमजनमानस में विश्वास व सुरक्षा का वातावरण बनाने के उद्देश्य से जनपद के थानों द्वारा पुलिस बल के साथ अपने-अपने थानाक्षेत्र में भीड़भाड़ एवं संवेदनशील स्थानों पर पैदल गश्त किया गया

तथा विशेष चेकिंग अभियान चलाकर मुख्य मार्गों, हाइवे, चौराहों, रेलवे स्टेशन एवं शराब की दुकानों के आसपास संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनों की चेकिंग की गयी।

हत्या के आरोपी को चाकू सहित कादीपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार-

सुलतानपुर (सब का सपना) आदित्य बरनवालः- जनपद के थाना कादीपुर क्षेत्र में हत्या के एक मामले में वांछित आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से वारदात में प्रयुक्त चाकू (आलाकत्ल) भी बरामद किया गया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे वांछित/संदिग्ध अभियुक्तों की धरपकड़ अभियान के तहत, अपर पुलिस अधीक्षक व क्षेत्राधिकारी कादीपुर के नेतृत्व में

थाना कादीपुर पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। मुखबिर की सूचना पर दबिश देकर पुलिस ने घनश्याम पुत्र राम मिलन, निवासी पलियागोलपुर, थाना कादीपुर, उम्र लगभग 42 वर्ष को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध मु0अ0सं0 408/25, धारा 103(1)/238 इटर के तहत मामला दर्ज है। आरोपी से पूछताछ के बाद उसे मौजूद आलाकत्ल चाकू के साथ विधिक कार्रवाई करते हुए मन्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस का कहना है कि आगे की विवेचना प्रगति पर है।

दिल्ली में हरियाली तीज की धूम, महिलाओं ने सावन के गीतों पर जमकर किया डांस

पूर्वी दिल्ली। झुला झूल रही सब सखियां, आई हरियाली तीज आज, राधा संग में झूलें कान्हा झूमें अब तो सारा बाग...यमुनापार में रविवार को इन्हीं गीतों की गूंज रही। सामाजिक संगठनों से लेकर आरडब्ल्यूए ने हरियाली तीज महोत्सव का आयोजन किया। प्रकृति की हरी ओढ़नी से सराबोर हरियाली तीज पर मंत्रमुग्ध होकर सजी धजी महिलाएं सावन के गीतों पर जमकर झूमीं। झूले का आनंद लिया। तरह-तरह के पकवानों का का स्वाद चखा। इस मौके पर महिलाओं में आस्था व उमंग का संगम देखने को मिला। यमुना विहार सी-2 ब्लाक स्थित कृष्णा पार्क में आरडब्ल्यूए ने तीज उत्सव मनाया। महिलाओं ने यहां मेहंदी लगवाई। तीज के गीतों पर समूह नृत्य किया। यहां पर महिलाओं ने झूलों का आनंद लिया। इस आयोजन में आरडब्ल्यूए के प्रधान श्याम सुंदर वर्मा, विजेंद्र कटियार, त्रिभुवन सिंह, नितिन शर्मा, अवेध माथुर, मणि शर्मा, प्रीति गुप्ता, राजकुमार ललित मौजूद रहे। शास्त्री पार्क स्थित श्याम गिरी मंदिर में तीज उत्सव हुआ। यहां कई पेड़ों झूले डले हुए थे। महिलाओं ने झूले के लिए

लाइन लगाई हुई थी। यहां दूर-दूर से महिलाएं आई हुई थी। महिलाएं सावन के गीतों पर जमकर थिरकी। इस मौके पर पार्षद रेखा रानी, पिंकी मंडार, प्रिया डेढ़ा, नवीन चौधरी मौजूद रहे। आइपेक्स लेडीज क्लब ने तीज मनाई। इसमें मुख्य रूप से केंद्रीय राज्यमंत्री की पत्नी बबीता मल्होत्रा, भाजपा नेता डा. अनिल गुप्ता, लता गुप्ता,पार्षद शशि चांदना, मंजू गुप्ता, सविता टंडन मौजूद रही। मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, पारंपरिक लोकनृत्य और तीज गीतों की धुनों पर झूमती हुई महिलाओं ने उत्सव का आनंद लिया। आईपेक्स क्वीन 2025 की प्रतियोगिता का ताज शक्ति शर्मा के सिर पर सजा। क्लब की अध्यक्षा रचना सरीन ने कहा कि हरियाली तीज सिर्फ एक पर्व नहीं, बल्कि नारी शक्ति, प्रेम और सौंदर्य का उत्सव है। हमारा उद्देश्य महिलाओं को एक सशक्त मंच प्रदान करना है जहां वे अपनी प्रतिभा और संस्कृति को निखार सकें। झिलमिल में वैश्य चेतना परिषद दिल्ली प्रदेश ने कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें महिलाओं ने नृत्यु करने के साथ मेहंदी लगवाई। कार्यक्रम में विधायक संजय गोयल, डिप्टी चेयरमैन मुकेश बंसल, भाजपा जिलाध्यक्ष मास्टर बिनोद, सीए सतीश गर्ग, भावना गर्ग, स्वाति गुप्ता, संदीप गर्ग मौजूद रहे।

दिल्ली में खाने के शौकीनों के लिए शुरू होगी नाइट मार्केट, पूरी रात मिलेगा जायके का स्वाद

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को जल्द ही अपना लेट नाइट फूड हब मिल सकता है, क्योंकि सरकार इंदौर के प्रतिष्ठित 56 दुकान मॉडल से प्रेरित होकर एनडीएमसी क्षेत्र में एक नाइट मार्केट शुरू करने की योजना बना रही है। अधिकारियों के अनुसार कनॉट प्लेस और लोधी रोड को इस मार्केट के लिए प्रमुख स्थानों के रूप में देखा जा रहा है। यह मार्केट रात 10 बजे के बाद खुलेगा और इसमें दिल्ली के कुछ सबसे लोकप्रिय भोजनालयों द्वारा संचालित फूड ट्रक भी शामिल होंगे। आकर्षक का केंद्र बनेगी नाइट मार्केट इस मार्केट का लक्ष्य निवासियों और पर्यटकों, दोनों के लिए एक सुरक्षित, जीवंत और नियमित नाइटलाइफ स्थान बनाना है। योजना की पुष्टि करते हुए, दिल्ली के कैबिनेट मंत्री और एनडीएमसी सदस्य प्रवेश वर्मा ने कहा कि हम दिल्ली के लोगों और पर्यटकों को एक सुरक्षित नाइटलाइफ अनुभव प्रदान करना चाहते हैं, और इसके लिए एक ठोस योजना तैयार की जा रही है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य दिल्ली की रातों को दिन की गतिविधियों की तरह ही जीवंत और आकर्षक बनाना है। इस योजना ने कई इलाकों का ध्यान आकर्षित किया है, जिनमें व्यवसाय मालिकों से लेकर युवा निवासी भी शामिल हैं, जो राष्ट्रीय राजधानी में देर रात सुरक्षित और अधिक आकर्षक विकल्पों के लिए उत्सुक हैं।

अखिल भातरीय कांग्रेस कमेटी का वार्षिक विधिक सम्मेलन 2 अगस्त को दिल्ली में

हिसार / अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के विधिक, मानवाधिकार एवं आरटीआई विभाग का वार्षिक सम्मेलन आगामी 2 अगस्त को दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन में हरियाणा कांग्रेस लीलग डिपार्टमेंट की भारी एवं उल्लेखनीय भागीदारी रहेगी। लाल बहादुर खोवाल एडवोकेट, प्रदेश अध्यक्ष हरियाणा कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट एवं पीसीसी डेलीगेट ने बताया कि इस वार्षिक सम्मेलन में मल्लिकार्जुन खडगे, अध्यक्ष, कांग्रेस पार्टी, राहुल गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता, सोनिया गांधी,चेयरपर्सन एवं पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष, के.सी. वेणुगोपाल, महासचिव (संगठन) एआईसीसी, प्रियंका गांधी वाड्रा, महासचिव एवं सांसद ,कुमारी सैलजा , सांसद एवं महासचिव एआईसीसी के अलावा पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता शिरकत करेंगे। इसके अतिरिक्त सम्मेलन में पूर्व मुख्यमंत्रीगण, पूर्व केंद्रीय मंत्रीगण, एआईसीसी के महासचिव, पीसीसी अध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ नेता भी भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन का विषय ह्यसंवैधानिक चुनौतियाँ : दृष्टिकोण एवं समाधानह्न यह महत्वपूर्ण सम्मेलन सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं सांसद डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी राष्ट्रीय चेयरमैन लीगल, मानवाधिकार एवं आरटीआई विभाग चेयरमैन के नेतृत्व में आयोजित हो रहा है। लाल बहादुर खोवाल ने बताया कि हरियाणा कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट, एआईसीसी की ओर से, राज्य भर से जुड़े सभी अधिवक्ता साथी इस सम्मेलन में भाग लेंगे, ताकि संविधान से जुड़े मुद्दों पर राष्ट्रीय मंच पर अपनी सक्रिय भागीदारी और प्रतिबद्धता दर्ज करवा सकें।

हकृवि में अगस्त मास के दौरान विभिन्न प्रशिक्षण होंगे आयोजित

हिसार / चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में अगस्त मास के दौरान बेकरी, मशरूम उत्पादन तकनीक, मधुमक्खी पालन तथा डेयरी फार्मिंग हेतु प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे। यह जानकारी देते हुए संस्थान के सह- निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के मार्गदर्शन में आयोजित किए जाने वाले इन प्रशिक्षणों में 1 से 4 अगस्त तक बेकरी, 6 से 8 मशरूम उत्पादन तकनीक, 18 से 22 अगस्त डेयरी फार्मिंग तथा 25 से 27 मधुमक्खी पालन पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में देश/ प्रदेश से किसी भी वर्ग, आयु के इच्छुक महिला या पुरुष यह प्रशिक्षण ले सकते हैं। यह प्रशिक्षण निःशुल्क दिया जाएगा। प्रशिक्षण में पूरी अवधि तक भाग लेने वाले उम्मीदवारों को ही प्रमाण-पत्र दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के दौरान संबंधित विषय के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण के दौरान केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा क्रियान्वित की जा रही योजनाओं एवं कार्यक्रमों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी जाएगी ताकि प्रशिक्षणार्थियों का कौशल विकास किया जा सके। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण लेने के इच्छुक युवक और युवतियां पंजीकरण के लिए संस्थान में प्रशिक्षण शुरू होने वाले दिन प्रातः 9:00 बजे पहुंच कर अपना पंजीकरण करवा कर प्रशिक्षण में भाग ले सकते हैं। प्रशिक्षण का समय प्रातः 9:00 से 4:00 बजे तक निर्धारित किया गया है। प्रशिक्षण संस्थान विश्वविद्यालय के गेट नंबर 3 लूदास रोड़ पर स्थित है। प्रशिक्षण पहले आओ--पहले पाओ के आधार पर दिया जाएगा। पंजीकरण के लिए प्रतिभागियों को एक फोटो और आधार कार्ड की फोटोकॉपी अपने साथ लेकर आनी होगी।

पौधारोपण कार्यक्रम में उपस्थित हुए मेयर प्रवीण पोपली, सैक्टरवासियों ने रखीं समस्याएं

हिसार / नगर निगम के मेयर प्रवीण पोपली सैक्टर-14 स्थित सुभाष पार्क में शाहिन ग्रुप द्वारा आयोजित पौधोरोपण अभियान में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए जहां उन्होंने अपने हाथों से पार्क में पौधे लगाए। इस अवसर पर सैक्टर-33 वैल्फेयर एसोसिएशन के फाउंडर निशांत गर्ग भी मुख्य रूप से मौजूद रहे। इस मौके पर साहिन क्लब के सदस्य पारूल का जन्मदिन भी केक काटकर मनाया गया। श्री गणेश प्रोपर्टीज के स्वामी एवं कैंटर एसोसिएशन हिसार के अध्यक्ष निशांत गर्ग ने मेयर प्रवीण पोपली के समक्ष सैक्टर-33 की विभिन्न समस्याएं रखीं। उन्होंने बताया कि सैक्टर में विभिन्न पार्कों की हालत दयनीय हैं। पार्कों के नियमित रखरखाव देखभाल के अभाव में पार्कों में अवव्स्था है और झूले व बैंच आदि टूट हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने सैक्टर की सडकों, सीवरेज, पानी, स्ट्रीट लाइट व आवारा पशु आदि की समस्या से भी उन्हें अवगत करवाया। निशांत गर्ग ने लंबे समय से चलती आ रही हिसार में ट्रांस्पोर्ट नगर बनाने की मांग को भी मेयर के समक्ष पुनः उठाया। मेयर ने सभी समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास हिसार शहर को समस्या मुक्त करने का है और इसके लिए निरंतर प्रयासरत हैं। इस मौके पर निशांत गर्ग के अलावा मुख्य रूप से धर्मेंद मलिक, पारूल आहुजा, भारत महता, राजेंद्र सिंगला, नवीन तनेजा, ट्रांस्पोर्ट एसोसिएशन से विनोद सचिव, शाहिन क्लब सुरेश गर्ग, जैन सहित तमाम सदस्य उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय सेवा संघ की बैठक आयोजित, विभिन्न सामाजिक आयोजनों का लिया निर्णय

हिसार / अखिल भारतीय सेवा संघ हिसार की एक आम सभा रामचद्र गुप्ता के रेड स्कवेयर मार्केट स्थित कार्यालय में हुई। प्रांतीय सह प्रभारी राजेन्द्र ने बताया कि 30 जुलाई बुधवार को मंद बुद्धि रेडक्रॉस भवन में मंदबुद्धि बच्चों को स्टेशनरी सामान, कॉपी, पेंसिल, शॉर्पनर, रबड़ व कलर आदि देने का फैसला हुआ। 31 जुलाई को शहीद उधम सिंह जी की जयंती पर माल्यार्पण करने का फैसला भी बैठक में हुआ। इसके साथ ही संगठन के राष्ट्रीय महासचिव विनोद धवन के जन्मदिवस 14 अगस्त पर एक रक्तदान शिविर लगाने का निर्णय लिया गया जो कि सैक्टर-14 स्थित सर्वेश हस्पताल में लगाया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर भाजपा जिला अध्यक्ष आशा खेदड़ को आर्मत्रित किया जाएगा। बैठक में राष्ट्रीय महासचिव विनोद धवन, प्रांतीय कोषाध्यक्ष रामचंद्र गुप्ता, अध्यक्ष विनोद गोयल, सचिव संजीव राजपाल, कोषाध्यक्ष दीपक गर्ग एडवोकेट, प्रेस सचिव गौरव भाटिया, सह सचिव गुलशन कथूरिया, सतीश भुटानी, उपप्रधान विनोद वर्मा, रंजीव राजपाल, सुरेश बत्रा, राधेश्याम महता, प्रदीप कटारिया, यशपाल खेड़ा, डिंपल कथूरिया, जगदीश बंसल, मुकेश अरोड़ा व अजय ग्रोवर आदि मौजूद रहे।

लड़की दो परिवारों की लाज होती है और दोनों परिवारों का मान-सम्मान बढ़ती है- गर्ग

हिसार / जीएनजेएन गोयंका गर्ल्स हाई स्कूल में मेहंदी, राखी, रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन स्कूल की मुख्य अध्यापिका अंगूरी देवी के नेतृत्व में किया गया। जिस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पीजीएसडी शिक्षा संस्थाओं व शिवालय मंदिर ट्रस्ट के प्रधान बजरंग गर्ग थे। मेहंदी प्रतियोगिता सविता व मीनाक्षी देवी की देख-रेख में हुई। जिसमें प्रथम वंशिका, द्वितीय मानसी व तृतीय नेहा रही। राखी बनाओ प्रतियोगिता वीना व पूजा देवी की देख-रेख में हुई। जिसमें प्रथम प्रेरणा, द्वितीय विधि व तृतीय सिमरन रही। रंगोली बनाओ प्रतियोगिता सोनिया व कविता देवी की देख-रेख में हुई। जिसमें प्रथम आस्था, द्वितीय कोमल व तृतीय जानवी रही। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बजरंग गर्ग ने प्रतियोगिता में अव्वल आने वाले छात्रों को पुरस्कार दिया। बजरंग गर्ग ने उपस्थित स्कूल के सभी मैनेजमेंट व छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि लड़कियां दो परिवारों की लाज होती है और दोनों परिवार का मान-सम्मान बढ़ती है जबकि छात्रों ने पढ़ाई-खेलकूद में भारत देश का नाम विश्व स्तर पर चमकाने का काम किया है। गोयंका स्कूल की छात्रा पूजा ढंडा ने कुश्ती में गोल्ड मेडल जीतकर भारत का नाम ऊंचा किया है और रेस्लींग में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम पर वैष्णवी व कराटे में स्टेट लेवल पर प्रथम स्थान पर भावना व खुशी के आने से स्कूल का नाम ऊंचा हुआ है। बजरंग गर्ग ने कहा कि गोयंका स्कूल हर साल मेरिट पर आता है जबकि हरियाणा में पांच बार प्रथम स्थान पर आया है। स्कूल की अनेकों छात्राएं पढ़-लिखकर आज उच्च पदों पर कार्य कर रही है। गोयंका स्कूल में बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के लिए हर प्रकार की उत्तम व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर नारायण दास बंसल, कैलाश चौधरी, सुरेंद्र सिंगला, ओम प्रकाश असीजा, रमेश लोहिया, प्रवीन जैन, जगत नारायण, प्रिंसिपल सत्येंद्र गोयल, मुख्य अध्यापिका अंगूरी देवी, मुख्य अध्यापक गंगा लाल प्रसाद मौर्य ,दीपक कुमार, म्यूजिक टीचर रविन्द्र कुमार, किशन बागड़ी आदि प्रतिनिधि मौजूद रहे।

पोलिटेक्निक कॉलेज मिंडकोला में शेष सीटों पर 7 और 8 अगस्त को होगी प्रवेश प्रक्रिया

हथीन: राजकीय बहुतकनीकी संस्थान, मिंडकोला में डिप्लोमा स्तर की पढ़ाई के लिए शैक्षणिक सत्र 2025-26 की प्रवेश प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है। संस्थान के पॉपुलर कोर्सेज जैसे मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी, कंप्यूटर इंजीनियरिंग और मैकेनिकल में ज्यादातर सीटें पहले ही भर चुकी हैं। हालांकि, कुछ तकनीकी कोर्सेज में अभी भी सीमित संख्या में सीटें खाली हैं, जिन पर अब संस्थान स्तर पर मैनुअल काउंसलिंग के जरिए दाखिले की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। संस्थान के प्रधानाचार्य डॉ. प्रताप सिंह चेची ने बताया कि बोर्ड द्वारा जारी दिशा निदेर्शों के अनुसार 6 अगस्त को मेरिट जारी होने के बाद 7 और 8 अगस्त को खाली सीटों पर मैनुअल काउंसलिंग होगी, 7 अगस्त को आरक्षित वर्ग (SC/ ST/ OBC/ EWS/ PWD आदि) के उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी व 8 अगस्त को बची हुई सीटें पर बिना किसी रिजर्वेशन के सीटों का बंटवारा किया जाएगा। इस संबंध में तकनीकी शिक्षा विभाग हरियाणा द्वारा पहले ही समाचार पत्रों और सोशल मीडिया के माध्यम से जनसामान्य को सूचना दी जा चुकी है। छात्रों से अपील की गई है कि वे निर्धारित तिथियों पर सभी जरूरी दस्तावेजों के साथ समय पर संस्थान में उपस्थित हों। जिन कोर्सेज में सीटें बची हैं, उनमें प्रमुख रूप से सिविल इंजीनियरिंग, मेडिकल इमेजिंग टेक्नोलॉजी (डी.वॉक) व फैशन टेक्नोलॉजी है। इन ब्रांचों में भी सीमित संख्या में सीटें शेष हैं, जिन पर मेरिट के आधार पर काउंसलिंग के दिन ही

मौके पर दाखिला दिया जाएगा। इस प्रक्रिया का उद्देश्य उन छात्रों को अवसर देना है जो अभी तक किसी कारणवश ऑनलाइन काउंसलिंग में भाग नहीं ले सके या जिनका दाखिला वांछित संस्थानों में नहीं हो पाया। काउंसलिंग में भाग लेने वाले छात्रों को कक्षा 10वीं एवं 12वीं की मार्कशीट की मूल प्रति एवं फोटोकॉपी, जन्म प्रमाण पत्र, कैटेगरी प्रमाण पत्र (यदि लागू हो), आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो 4, निवास प्रमाण पत्र, प्रवेश परीक्षा की रैंक/स्कोर कार्ड (यदि हो) आदि दस्तावेज साथ लाने होंगे। अधिक जानकारी के लिए छात्र संस्थान की वेबसाइट या कार्यालय से सीधा संपर्क कर सकते हैं। संस्थान का शैक्षणिक प्रदर्शन रहा बेहतरीन वहीं दूसरी ओर राजकीय बहु तकनीकी संस्थान मिंडकोला ने इस वर्ष शैक्षणिक उपलब्धियों के मामले में एक नई ऊंचाई हासिल की है। जून 2025 के बोर्ड परीक्षाओं में संस्थान के अधिकांश छात्रों ने अच्छे अंक प्राप्त किए हैं। कई छात्रों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए हैं जिससे उनकी प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय कंपनियों में सीधी प्लेसमेंट हुई है।

संस्थान के प्लेसमेंट सेल के प्रभारी ने बताया कि इस बार टेक्निकल एजुकेशन में रुचि रखने वाले छात्रों को बेहतर प्रशिक्षण देने और उद्योगों से जोड़ने के लिए कई विशेष कार्यशालाएं और सेमिनार आयोजित किए गए। इसका सकारात्मक परिणाम यह रहा कि कई छात्रों को 3.5 लाख से 4 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर नौकरी के प्रस्ताव मिले हैं।

प्रमुख कंपनियां जैसे रिलायंस जियो, JBM हेनान क्लाइमेट सिस्टम, साइ ऑटो कॉम्पोनेंट, अम्बर ग्रुप ने कैंपस प्लेसमेंट के जरिए छात्रों का चयन किया।

संस्थान ने उद्योग जगत के साथ समन्वय स्थापित करते हुए छात्रों को व्यावसायिक और व्यवहारिक शिक्षा देने के लिए इंटर्नशिप प्रोग्राम भी शुरू किए थे। इससे छात्रों में न केवल तकनीकी दक्षता बढ़ी, बल्कि सॉफ्ट स्किल्स और इंटरव्यू की तैयारी में भी सुधार हुआ।

संगठनात्मक बैठक सम्पन्न, मंत्री कृष्ण बेदी व अनेक वरिष्ठ नेताओं ने किया मार्गदर्शन

हिसार / भारतीय जनता पार्टी जिला हिसार के प्रमुख पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक सोमवार को पार्टी के जिला कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने की, जबकि हरियाणा सरकार में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के मंत्री कृष्ण बेदी विशेष रूप से उपस्थित रहे और पार्टीजनों को मार्गदर्शन प्रदान किया। बैठक का शुभारंभ भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। यह बैठक संगठनात्मक विषयों, भावी योजनाओं एवं आगामी कार्यक्रमों की रणनीति तय करने के उद्देश्य से आयोजित की

गई। इस अवसर पर हरियाणा सरकार के लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा, विधायक रणधीर पनिहार, हिसार नगर निगम के मेयर प्रवीण पोपली पूर्व मंत्री अनूप धानक,पूर्व मंत्री कमल गुप्ता सहित अनेक वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि पार्टी का संगठन पर्व हाल ही में सम्पन्न हुआ है, जिसके अंतर्गत बूथ स्तर से लेकर जिला स्तर तक की कार्यकारिणियों का गठन किया गया। उन्होंने कहा कि नवनियुक्त पदाधिकारियों को भाजपा की रीति-नीति और विचारधारा से अवगत कराना हमारी प्राथमिकता है। भाजपा संगठन को सर्वोपरि मानती है और आमजन की आवाज को सरकार तक पहुंचाना ही हमारा प्रमुख उद्देश्य है। बैठक में जिला महामंत्री सतवीर वर्मा, कृष्ण सरसाना, जिला उपाध्यक्ष संजीव रेवड़ी, रामफल नैन, कार्यालय प्रमुख सुरेन्द्र सिंह सैनी, जिला सचिव एडवोकेट कृष्ण खटाना, कोषाध्यक्ष अशोक मित्तल, प्रदेश दस्तावेजी प्रमुख प्रवीण जैन, मंडल अध्यक्ष लोकेश असीजा, दीपक अग्रवाल व राहुल सैनी सहित अनेक कार्यकर्ता शामिल हुए।

चाइनीज मांझा से पतंग उड़ाई तो खैर नहीं, होगी कड़ी कार्रवाई- एसपी

रेवाड़ी। पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा ने बताया कि त्योहारों के अवसर पर काफी लोग पतंगबाजी करना काफी पसंद करते है, लेकिन पतंग उड़ाते समय अगर कुछ सावधानियां न बरती जाए तो यह खुद के साथ साथ दूसरे लोगों के लिए भी खतरनाक साबित हो सकता है, क्योंकि कई पतंगबाज पतंग उड़ाने के लिए धारदार चाइनीज मांझे का इस्तेमाल करना पसंद करते है जो कि काफी खतरनाक होता है। यह मांझा लोगों के लिए जानलेवा भी साबित होता है तथा क्षण भर में ही यह शरीर अंगों को काट देता है और हर साल ऐसी कई घटनाएं सामने आती है। यही कारण है कि प्रशासन ने चाइनीज मांझे की बिक्री पर प्रतिबंध लगा रखा है इसलिए पतंग उड़ाने वालों को

उड़ान से पहले अपने धागे की जांच परख करनी होगी कि कहीं वे जिस मांझे का इस्तेमाल कर रहे हैं, कहीं वह चाइनीज मांझा तो नहीं है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि चाइनीज मांझा कॉटन फैब्रिक से ना बनाकर कई केमिकल से बनाया जाता है। चाइनीज मांझा पतंग उड़ाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली ग्लास लेपित सिंथेटिक धागा है जो पर्यावरण के साथ-साथ पशु-पक्षियों और इंसानों के लिए भी बेहद हानिकारक है। इस तरह की पतंग डोर पर पूरी तरह से प्रतिबंध है। ये प्रतिबंध इंसानों, पक्षियों, अन्य जानवरों और पर्यावरण को नुकसान से बचाने के लिए लगाए गए है। इस सम्बन्ध में उपायुक्त रेवाड़ी श्री अभिषेक मीणा, भा.प्र.से. द्वारा जिला रेवाड़ी में धारा 163 भारतीय नागरिक सुरक्षा सहिंता लगाई हुई है। इनके वितरण और स्टॉकिंग में शामिल लोगों को गिरफ्तार करने के लिए टीमें चौबीसों घंटे काम कर रही हैं। हाल ही में शहर थाना क्षेत्र अंतर्गत चाइनीज मांझा के भंडारण करने के चार मामले भी दर्ज किए गए हैं। चाइनीज मांझा का इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ एक लाख रुपये का जुमार्ना और पांच साल की सजा का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि यदि किसी को भी चाइनीज मांझे के इस्तेमाल या भंडारण के बारे में जानकारी मिलती है, तो वह 112 डायल करके पुलिस के साथ साझा करे।

बनभौरी परिवार ने एक शाम हरियाणा के नाम तीज महोत्सव धूम धाम से बनाया

पंचकूला। जय माँ बनभोरी परिवार जीरकपुर द्वारा 27 जुलाई को अग्रवाल भवन सेक्टर 16 पंचकुला में हरियाणवी संस्कृति की झलक एक शाम हरियाणा के नाम तीज महोत्सव 2025 बड़ी धूम धाम से बनाया गया इस महोत्सव में सभी सदस्यो ने खुद अयोजित किया, किसी भी कलाकार को बहार से नहीं बुलाया गया मंडल के प्रधान मितान लाल गर्ग ने बताया इस कार्यक्रम को आयोजित करने में सिर्फ एक उदेश्य था की हरियाणा की संस्कृति जो आने वाली पीढ़ी भी समझे और देखे और आने वाले समय

में इसको निभाएं पूरे भारत देश में सावन का महीना बहुत ही पावन होता है जिसमें हरियाणा में तीज को एक त्यौहार मना जाता है जिसमें भाई अपनी बहन को कोथली का उपहार देता है इस कार्यक्रम की शोभा देखते ही बन रही थी मंडल के खंजाची मनोहर लाल गर्ग और महामन्त्री सोहन लाल गर्ग और चेयरमैन सतीश गर्ग जी ने बताया ये मंडल हर महिने निशुलक माता की चौकी भी निशुलक आयोजित करता है जिसका सारा खर्चा मंडल द्वार किया जाता है मंडल के पार्षद तरसेम मित्तल ने बताया कि ये मंडल हर महिने माता बनभोरी देवी निशुलक बस यात्रालेके जाते हैं जिसका आना जाना रहना खाना पीना सब निशुलक होता है और मंडल द्वार चंडीगढ़ में हर गौ सेवा भी जल्दी शुरू हो रही है

30 व 31 को महेंद्रगढ़ व नारनौल की शहर सीमा में भारी वाहनों पर प्रतिबंध

नारनौल। जिलाधीश डॉ विवेक भारती ने 30 व 31 जुलाई को होने वाली हरियाणा पात्रता परीक्षा के शांतिपूर्ण संचालन के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत महेंद्रगढ़ व नारनौल दोनों शहरों की सीमा में सभी भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया है। जिलाधीश ने आदेशों में स्पष्ट किया है कि एम्बुलेंस, अग्निशमन वाहन और पुलिस वाहन जैसे आपातकालीन वाहनों को इस प्रतिबंध से छूट रहेगी। आवश्यक वस्तुओं से लदे वाहनों को अधोहस्ताक्षरी या पुलिस अधीक्षक की पूर्व अनुमति से प्रवेश की अनुमति दी जा सकेगी। इस आदेश का उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 और अन्य लागू कानूनों के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

सरस्वती स्कूल गुड़ियानी के छात्रों ने ब्लॉक स्तरीय खेलों में दिखाया दमखम

गुड़ियानी। सरस्वती स्कूल, गुड़ियानी के छात्रों ने हाल ही में आयोजित ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय के छात्र भारत ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए अंडर-19 बैडमिंटन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं आदित्य ने अंडर-17 कुश्ती (65 किग्रा वर्ग) में दमदार कुश्ती करते हुए पहला स्थान हासिल किया। इसी क्रम में प्रिया पुत्री अमन ने 200 मीटर दौड़ में तृतीय स्थान पर विजयी रही विद्यालय प्रशासन ने तीनो विजेताओं को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के प्राचार्य धर्मवीर शर्मा ने कहा कि छात्रों की यह सफलता उनके कठिन परिश्रम और समर्पण का परिणाम है तथा यह विद्यालय की खेल प्रतिभा को प्रोत्साहित करने की नीति का प्रमाण है। सरस्वती स्कूल गुड़ियानी

चाइनीज मांझा बेचने के तीन अलग अलग मामलों में चार आरोपी गिरफ्तार

-आरोपियों से चाइनीज मांझे की 39 रील बरामद

रेवाड़ी। पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा, के कुशल मार्गदर्शन एवं निर्देशन में कार्य करते हुए चौकी भाडावास गेट पुलिस ने चाइनीज मांझा बेचने के तीन अलग अलग मामलों में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान पुरानी सब्जी मण्डी नजदीक गारदा मस्जिद रेवाड़ी निवासी अशोक कुमार व चन्दु, मोहल्ला तेलीवाड़ा रेवाड़ी निवासी प्रकाश व मोहल्ला बल्लूवाडा रेवाड़ी निवासी त्रिवेंद्र गुप्ता के रूप में हुई है। जांचकर्ता ने बताया की गत 28 जुलाई को पुलिस को सूचना मिली थी कि पुरानी सब्जी मंडी गारदा मस्जिद के पास अशोक कुमार व चंदू नामक दुकानदार अपनी दुकान के गेट के पास चाइनीज मांझा रखकर बेच रहे हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर जाकर दोनों को काबू कर लिया। उनके कब्जे से चाइनीज मांझे की पांच रील बरामद हुई। इसके बाद पुलिस ने सूचना के आधार पर तेलीवाड़ा मोहल्ले में दुकान के गेट के पास चाइनीज मांझा रखकर उसकी बिक्री कर रहे आरोपी प्रकाश को 21 सील चाइनीज मांझे के साथ गिरफ्तार किया है। एक अन्य मामले में पुलिस ने बल्लूवाड़ा मोहल्ले में दुकान के पास रखकर चाइनीज मांझा बेच रहे आरोपी त्रिवेंद्र गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से प्लास्टिक के कट्टे में रखा 13 रील चाइनीज मांझा बरामद किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना शहर रेवाड़ी में मामला दर्ज करके सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

चोरों ने बैंक एटीम को चुराने के लिए एटीएम बूथ के शटर को कटा

हथीन : हथीन शहर में हो रही चोरी की वारदातों से शहर के व्यापारियों व दुकानदारों में भय का माहौल बना हुआ है। बीती रात्रि को अज्ञात चोरों ने गहलब रोड स्थित अनाजमंडी के निकट पंजाब नेशनल बैंक की शाखा का एटीएम बूथ के शटर को अज्ञात चोरों ने गैस कटर से काटने की कौशिश की लेकिन अज्ञात कारणों के चलते वे इसमें सफल नहीं हो सके। सीसीटीवी कैमरे के टाइम के मुताबिक उक्त घटना रात्रि 1 बजकर 58 मिनट की बताईं गईं है। यहां से नाकाम होने के पश्चात अज्ञात चोरों ने शहर के मैन बाजार में सुभाष चौक के निकट सुनारों वाली गली में रात 2 बजकर 40 मिनट पर ज्वैलर्स श्याम सोनी की दुकान का शटर गैस कटर से काट दिया। चोरों के हौंसले इतने बुलंद थे

कि लगभग 35 मिनट तक वे शटर काटने व शटर काटकर दुकान के अंदर घुसकर आभूषण चुरा चुरा कर कटे हुए शटर से बाहर निकालता रहा। एक नकाबपोश चोर दुकान के अंदर चोरी कर रहा था जबकि दूसरा नकाबपोश बाहर निगरानी करने में लगा हुआ था। सौभाग्यवश ज्वैलर्स श्याम सोनी के परिवार का एक सदस्य लघुशंका के लिए उठा और उसने मोबाइल जिसमें की दुकान में लगे सीसीटीवी कनेक्ट था को चैक किया तो वह यह देखकर दंग रह गया कि एक नकाबपोश चोर दुकान के अंदर

दुकानदारों ने बाजार बंद कर जताया रोष
चोरों के आतंक से दुकानदारों में भय का माहौल

घुस कर चोरी कर रहा है। जिस पर श्याम सोनी के परिवार के सदस्य अपने हाथों में लाठी डंडा आदि लेकर शोर मचाते हुए दुकान पर पहुंच पाते इससे पहले ही चोर शोर सुनकर भाग गए। एक ही रात में दो-दो वारदातें हो जाने पर गुस्साए दुकानदारों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर प्रश्न चिन्ह लगाते हुए बाजार बंद कर रोष व्यक्त किया और आगामी रणनीति बनाने के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से शहर के सभी दुकानदारों से दुकानें बंद रखने व सुभाष चौक में एकत्रित होने का संदेश दिया। जिस पर दुकानदार सुभाष चौक पर इक्ट्ठा होने लगे। सूचना मिलते ही हथीन थाना प्रभारी इंस्पेक्टर हरिकिशन पुलिस टीम के साथ दुकानदारों के मध्य पहुंचे और नगरपालिका चेयरपर्सन रेनू लता के पति पूर्व चेयरमैन सुमित राजपूत व दुकानदारों एवं व्यापारियों को आश्वासन दिया कि पुलिस एक सप्ताह के अंदर अंदर चोरों को गिरफ्तार कर लेगी। जिस पर पूर्व चेयरमैन सुमित राजपूत ने दुकानदारों व व्यापारियों को अपनी-अपनी दुकानें खोलने की आपील की। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व भी हथीन में कई चोरियां हो चुकी हैं। पुलिस टीमें जुटी जांच में घटना की सूचना मिलते ही शहर चौकी इंचार्ज पीएसआई मनोज, थाना प्रभारी इंस्पेक्टर हरिकिशन व एवीटी स्टाफ इंचार्ज इंस्पेक्टर विश्व गौरव घटना स्थल पर पहुंच गए और फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट को बुलवाया। इसके अतिरिक्त ज्वैलर्स श्याम सोनी व आसपास के दुकानों में लगे सीसीटीवी फुटेजों की गहनता से जांच की और चोरों द्वारा छोड़ी गई मोटरसाइकिल के बारे में भी जानकारी जुटाई जोकि बल्लबगढ़ से लगभग एक महीने पूर्व चोरी होनी पाई गई। बाजार में बढाई जाएगी पुलिस गश्त थाना प्रभारी इंस्पेक्टर हरिकिशन ने दुकानदारों व व्यापारियों को बाजार में पुलिस गश्त बढ़ाने का आश्वासन देते हुए कहा कि आज से ही बाजार में रात्रि पुलिस गश्त बढा दी जाएगी।

इंग्लैंड-भारत टेस्ट के दौरान पाकिस्तानी फैन की टी-शर्ट को लेकर खड़ा हुआ विवाद

मैनचेस्टर (एजेंसी)। लंकाशायर ने कहा है कि वे उस घटना की जांच कर रहे हैं जिसमें ओल्ड ट्रैफर्ड में इंग्लैंड और भारत के बीच चौथे टेस्ट मैच में एक प्रशंसक को अपनी पहनी हुई पाकिस्तानी शर्ट को ढकने के लिए कहा गया था। पाकिस्तानी मीडिया में फारुख नजर नाम से मशहूर इस प्रशंसक ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें उससे मैदान पर मौजूद सुरक्षा स्टाफ के एक सदस्य ने अनुरोध किया है कि वह अपनी टी-शर्ट को ढक दे, जो पाकिस्तान की पारंपरिक हरे रंग की सीमित ओवरों की टी-शर्ट है।

खुद को लंकाशायर का कर्मचारी बताने वाला सुरक्षा गार्ड कहता है, 'नियंत्रण कक्ष ने मुझसे पूछा है कि क्या आप कृपया उस टी-शर्ट को ढक सकते हैं। बाद में एक प्रबंधक को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि टी-शर्ट %राष्ट्रवादी मानी जा सकती है%। वीडियो में नजर को बार-बार टी-शर्ट ढकने के अनुरोधों के कारण लगातार परेशान होते देखा जा सकता है। आखिरकार, एक पुलिस अधिकारी उसके पास आता है और उसे स्टैंड से दूर बातचीत जारी रखने के लिए कहता है। खबरों के मुताबिक नजर ने अपनी टी-शर्ट छिपाने के बजाय मैदान से बाहर जाने का फैसला किया।

भारत और पाकिस्तान के बीच वर्षों से ठंडे पड़े राजनीतिक संबंध इस साल मई में दोनों देशों के बीच हुई एक संक्षिप्त सैन्य झड़प के बाद सबसे तनावपूर्ण रहे हैं। ये तनाव बीसीसीआई और पीसीबी के बीच संबंधों में भी उभरे हैं। दोनों पक्षों ने 2012-13 से कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली है और 2007-08 से कोई टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है। दोनों देशों द्वारा आयोजित आईसीसी आयोजनों में उनकी भागीदारी भी हाल ही में समस्याग्रस्त हो गई है, क्योंकि इस समस्या के एक मिश्रित समाधान के रूप में उनके मैचों के आयोजन के लिए एक तटस्थ स्थान को जोड़ा गया है।

यह स्पष्ट नहीं है कि ड्रॉ पर समाप्त हुए टेस्ट मैच के किस दिन यह घटना थी, लेकिन लंकाशायर ने पुष्टि की है कि वे इसकी जांच कर रहे हैं। लंकाशायर के प्रवक्ता ने कहा, 'हम संबंधित घटना से अवगत हैं और मामले से जुड़े तथ्यों और संदर्भ को पूरी तरह समझने के लिए कदम उठा रहे हैं।% हाल के वर्षों में लंकाशायर ने भारत के साथ अपने संबंध मजबूत करने की खुलकर बात की है। इस मैदान पर स्थित द हंड्रेड टीम, मैनचेस्टर ओरिजिनल्स का 70त्न स्वामित्व संजीव

गोयनका के आरपीएसजी समूह के पास जाने वाला है जो आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स का संचालन करता है। लंकाशायर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, डैनियल गिडनी ने 100 गेंदों वाले इस टूर्नामेंट में बीसीसीआई को हिस्सेदारी देने का सुझाव दिया है।

दिव्या देशमुख की ऐतिहासिक जीत पर देशभर से बधाइयों की बौछार, प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और आनंद समेत कई दिग्गजों ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। फीडे महिला विश्व शतरंज चैंपियनशिप 2025 में भारत की युवा इंटरनेशनल मास्टर दिव्या देशमुख ने इतिहास रचते हुए खिताब जीत लिया है। इस ऐतिहासिक जीत पर पूरे देश में उत्साह की लहर है। भारत की राजनीति, खेल और समाज के शीर्ष नेतृत्व ने दिव्या और उपविजेता कोनेरू हम्पी को बधाइयाँ दी हैं और भारतीय महिला शतरंज की इस उपलब्धि को 'स्वर्णिम युग' की शुरुआत बताया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर कहा, ÷एक ऐतिहासिक फाइनल जिसमें दो शानदार भारतीय शतरंज खिलाड़ी आमने-सामने थीं! 19 वर्ष की दिव्या देशमुख पर गर्व है जिन्होंने महिला विश्व शतरंज चैंपियन 2025 बनकर असाधारण उपलब्धि हासिल की। यह जीत कई युवाओं को प्रेरित करेगी। हम्पी ने भी पूरे टूर्नामेंट में जबरदस्त खेल दिखाया। दोनों को शुभकामनाएं।'

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी दिव्या को पहली भारतीय महिला विश्व कप विजेता बनने पर बधाई दी और हम्पी की स्थायी उत्कृष्टता की सराहना करते हुए कहा, 'दोनों भारतीय खिलाड़ियों का फाइनल में पहुँचना इस बात का प्रतीक है कि देश में विशेष रूप से महिलाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है।'

नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने इस मौके को ÷एक गर्वित राष्ट्र का पल÷ बताया और लिखा, ÷दो भारतीय महिलाएं, एक विश्व मंच। दिव्या ने 19 साल की उम्र में जो हासिल किया, वह असाधारण है। हम्पी ने भी इस फाइनल को ऐतिहासिक बना दिया।'

भारत के पाँच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने दिव्या को जीत, ग्रैंडमास्टर बनने और कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में स्थान पक्का करने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा, 'यह मानसिक मजबूती की अद्भुत परीक्षा थी। हम्पी ने एक बार फिर दिखाया कि वह कितनी बड़ी चैंपियन हैं। यह भारतीय शतरंज, खासकर महिला शतरंज का शानदार उत्सव था।

आईपीएल 2026 से पहले केकेआर को बड़ा झटका, टीम का प्रमुख सदस्य हुआ अलग

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के अगले सीजन को शुरू होने में अभी काफी समय बाकी है। इससे पहले आईपीएल 2024 की विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स को एक बड़ा झटका लग गया है। दरअसल, हेड कोच चंद्रकांत पंडित ने फ्रेंचाइजी से अलग होने का फैसला कर लिया है। उन्हें अगस्त 2022 में टीम का हेड कोच नियुक्त किया था। पंडित ने ब्रेंडन मैकुलम की जगह ली थी। 2026 में अब वो इस टीम के लिए कोच की भूमिका नहीं निभाएंगे।

बता दें कि, आईपीएल 2025 में टीम का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा। अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में टीम प्लेऑफ में भी जगह बनाने में सफल नहीं हो पाई थी। केकेआर ने 14 में से सिर्फ 5 मुकाबले जीते थे और अंक तालिका में आठवें पायदान पर रही थी। फैंस टीम के इस तरह के लचर प्रदर्शन से काफी नाखुश थे।

केकेआर ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट के जरिए चंद्रकांत के टीम से अलग होने की वजह से बताई है। फ्रेंचाइजी के मुताबिक, चंद्रकांत ने नए अवसर तलाशने के लिए ये निर्णय लिया है। फ्रेंचाइजी ने अपने हेड कोच को विदा देते हुए लिखा। केकेआर ने लिखा कि चंद्रकांत पंडित अब केकेआर के हेड कोच के रूप में बरकरार नहीं रहेंगे। उन्होंने नए अवसर तलाशने का निर्णय लिया है। हम उनके योगदान के लिए आभारी हैं। खासकर 2024 में टीम को आईपीएल खिताब दिलाने और एक मजबूत, जुझारू टीम बनाने में मदद करने के लिए। उनकी नेतृत्व क्षमता और अनुशासन ने टीम पर गहरा असर छोड़ा है। हम उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

'पांचवें टेस्ट में जाने के लिए काफी आत्मविश्वास' : पार्थिव पटेल ने चौथे मैच में भारत की वापसी पर की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज पार्थिव पटेल का मानना है कि मैच की शुरुआत में चुनौतियों का सामना करने के बावजूद भारत ने चौथे टेस्ट में सराहनीय प्रदर्शन किया। टीम के समग्र प्रदर्शन पर विचार करते हुए पार्थिव ने कहा कि इंग्लैंड की पहली पारी के दौरान एक खास दौर को छोड़कर, वह ज़्यादा कुछ बदलना नहीं चाहेंगे।

उन्होंने कहा, 'भारत ने इस टेस्ट मैच में जिस तरह से खेला, उसे देखते हुए मैं ज़्यादा कुछ नहीं बदलना चाहूंगा लेकिन अगर आप पूछें कि क्या बेहतर किया जा सकता था, तो मैं कहूंगा कि दूसरे दिन इंग्लैंड की बल्लेबाजी का दौर।% उन्होंने कहा कि उस दौरान भारत की गेंदबाजी में तेजी और सटीकता की कमी थी। उन्होंने कहा, 'उस दौरान भारत की गेंदबाजी में

निरंतरता की कमी थी और विकेट के दोनों ओर थोड़ी भटकाव था। यहीं पर कुछ सुधार संभव था।'

पार्थिव ने इंग्लैंड के पहली पारी के 669 रनों के पहाड़ के बाद कठिन परिस्थितियों में भारतीय टीम के जज्बे और दृढ़ता की सराहना की। उन्होंने कहा, 'बाकी, यह भारत के लिए एक बहुत अच्छा टेस्ट मैच रहा है, खासकर टॉस के बाद की स्थिति को देखते हुए। लगभग सब कुछ भारत के खिलाफ जाता दिख रहा था - जब भारत बल्लेबाजी करने गया, तो बादल छाए हुए थे; जब इंग्लैंड बल्लेबाजी के लिए उतरा, तो सूरज चमक रहा था, जिसने भारत के काम को और भी कठिन बना दिया।'

बाधाओं के बावजूद पार्थिव ने भारतीय टीम के जोशपूर्ण वापसी की प्रशंसा की, जो उनके अनुसार श्रृंखला के अंतिम मैच से पहले एक अच्छा संकेत है। उन्होंने कहा, 'फिर भी जिस तरह से भारत ने वापसी की, उससे पांचवें टेस्ट में जाने के लिए काफी आत्मविश्वास है।'

आखिरी दिन रवींद्र जडेजा ने नाबाद 107 रन और वाशिंगटन सुंदर ने नाबाद 101 रनों की पारी खेलकर अपना पहला शतक पूरा किया। दोनों की 203 रनों की अटूट साझेदारी ने भारत को मैच बचाने और अंतिम टेस्ट से पहले श्रृंखला को जीवंत रखने में मदद की। चार टेस्ट मैचों की समाप्ति के बाद भारत 1-2 से पीछे चल रहा है और पांच मैचों की श्रृंखला के आखिरी मुकाबले के लिए दोनों टीमें लंदन लौट रही हैं।

अगले माह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी भारतीय पुरुष हॉकी टीम

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष हॉकी टीम 15 से 21 अगस्त तक पर्थ में होने वाली चार मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज भारतीय टीम 15, 16, 19 और 21 अगस्त तक होने वाले इन मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन कर आगामी एशिया कप के लिए अपनी तैयारियों को बेहतर करेगी। एशिया कप का आयोजन 29 अगस्त से 7 सितम्बर तक बिहार के राजगीर में होना है। एशिया कप इसलिए भी अहम है क्योंकि इसमें प्रदर्शन के आधार पर अगले वर्ष के एफआईएच विश्व कप में सीधे क्वालीफाई करने का अवसर मिलेगा। भारतीय टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लेकर कहा, ''यह दौरा बिहार में होने वाले हीरो एशिया कप से ठीक पहले होने से टीम ओ अपनी तैयारियों का आंकलन करने का बेहतर अवसर मिलेगा। ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलने से टीम को अपनी कमजोरियों के साथ ही अपनी क्षमताओं का भी पता चलेगा।'' हाल ही में यूरोप में एफआईएच प्रो लीग में भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के हाथों करीबी हार को सामना करना पड़ा था।

ऑस्ट्रेलिया ने पांचवें टी20 में वेस्टइंडीज को तीन विकेट से हराया, 5-0 से टी20 सीरीज जीती

सेंट किट्स । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने वेस्टइंडीज को पांचवें टी20 मैच में तीन विकेट से हराकर सीरीज में 5-0 से जीत हासिल की है। इस अंतिम मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज करते हुए मेजबान वेस्टइंडीज की टीम ने 19.4 ओवरों में 170 रन बनाये। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने ये लक्ष्य तीन ओवर पहले ही हासिल कर लिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए मेजबान टीम के बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये। कप्तान शाई होप दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये। वहीं ब्रैंडन किंग 11, कीसी कार्टी 1 और शेरफेन रदरफोर्ड 35 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। इसके बाद शिमरोन हेटमायर ने जेसन होल्डर के साथ पांचवें विकेट के लिए 47 रन बनाकर टीम को संभाला। हेटमायर ने तीन छक्के और तीन चौके लगाकर 31 गेंदों में 52 रन बनाये। वहीं जेसन होल्डर ने 20 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की ओर से बेन ड्वारशुइस ने तीन जबकि नाथन एलिस ने दो विकेट लिए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 17 ओवरों में ही मैच जीत लिया। कंगारुओं की शुरुआत भी खराब रही और उसने 60 के स्कोर तक अपने चार विकेट खो दिए थे। इसके बाद कैमरून ग्रीन ने मिचेल ओवन के साथ मिलकर पांचवें विकेट के लिए 63 रन बनाकर टीम को संभाला। ग्रीन ने 18 गेंदों में 32 रन बनाये जबकि मिचेल ओवन ने 17 गेंदों में 37 रन बनाये। आरोन हार्डी ने 25 गेंदों में 28 रन बनाये। मेजबान टीम की तरफ से अकील हुसैन को तीन जबकि अल्जारी जोसेफ और जेसन होल्डर को दो-दो विकेट मिले।

अंतिम टेस्ट में ब्रैडमैन का रिकार्ड तोड़ सकते है शुभमन

लंदन । भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल अब तक इंग्लैंड दौरे पर बेहद सफल रहे हैं। शुभमन ने हर मैच में एक नई उपलब्धि हासिल की है। अब उनके पास ओवल में 31 जुलाई से शुरु हो रहे अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में एक और रिकार्ड अपने नाम करने का अवसर है। शुभमन ने इस सीरीज में अबतक चार शतक लगाने के साथ ही 700 से अधिक रन बनाये हैं। अब उन्हें एक सीरीज में सबसे अधिक रनों का ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज सर डॉन ब्रैडमैन का रिकार्ड तोड़ने के लिए केवल 89 रनों की जरुरत है। शुभमन ने अब तक इस सीरीज में 722 रन बनाये हैं। वहीं ब्रैडमैन ने 88 साल पहले साल 1936/37 की एशेज सीरीज में 810 रन बनाए थे। भारतीय कप्तान 89 बनाते ही एक टेस्ट सीरीज में 811 रन बनाने वाले पहले कप्तान बन जाएंगे। ऐसे में शुभमन जब ओवल में खेलने के लिए उतरेंगे तो उनकी नजरें ब्रैडमैन से आगे निकलने पर रहेंगी। जिस प्रकार का प्रदर्शन उन्होंने तक किया है। उसको देखते हुए क्रिकेट प्रेमियों को पूरी उम्मीद है कि शुभमन सबसे अधिक रनों का रिकार्ड आसानी से बना देंगे। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में अब तक सिर्फ पांच कप्तान ऐसे रहे हैं जिन्होंने एक टेस्ट सीरीज में 722 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं। शुभमन गिल इस लिस्ट में अब छठे पायदान पर हैं, पर वह अंतिम टेस्ट के बाद पहले नंबर पर पहुंच सकते हैं।

अश्विन का पांचवे टेस्ट से पहले कप्तान गिल को सूझाव, कृपया यह फैसला लेकर अब सुधार करो

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारत के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने शुभमन गिल की बतौर बल्लेबाज तारीफ की लेकिन वह चाहते है कि वह रणनीतिक रूप से मजबूत कप्तान बने। इसलिए अश्विन ने गिल को टीम में कुछ बदलाव करने के लिए सूझाव दिया।

अश्विन के अनुसार गिल और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने बल्लेबाजी की गहराई बढ़ाने का फैसला किया है लेकिन उनके पास विकेट लेने के पर्याप्त विकल्प नही है। कुलदीप यादव ने अभी तक इस दौरे पर कोई मैच नहीं खेला। पांचवे टेस्ट से पहले वह चाहते है कि भारत ये बदलाव करे क्योंकि उनका लक्ष्य सीरीज 2-2 से बराबर करना है।

अश्विन ने कहा, 'अब सुधार कीजिए और कृपया फैसला लीजिए। इस फैसले के बाद भी आप हार सकते हैं, लेकिन फैसला लीजिए, क्योंकि टेस्ट मैच

बल्लेबाजी की गहराई से नहीं जीते जाते, बल्कि बल्लेबाजी की गहराई से ड्रॉ होते हैं। टेस्ट मैच उन गेंदबाजों की मदद से जीते जाते हैं जिनमें विकेट लेने की क्षमता होती है।'

उन्होंने यह भी बताया कि कैसे दौरे से पहले गिल की आलोचना की गई थी और उनकी तकनीक पर सवाल उठाए गए थे। अश्विन ने 25 वर्षीय गिल को अपनी बल्लेबाजी पर पूरी तरह नियंत्रण रखने के लिए सराहना की।

अश्विन ने आगे कहा, 'शुभमन गिल का क्या ही शानदार शतक। उन्होंने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उन्होंने अपनी तकनीक पर काम किया है। कप्तान के तौर पर उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा, जिस तरह से उन्होंने वाशिंगटन सुंदर को देर से बुलाया वह एक बड़ी रणनीतिक गलती थी, लेकिन ऐसा होता है। वह एक युवा कप्तान हैं और गलतिया करके ही सीखेंगे, और मुझे उम्मीद है कि वह तेज़ी से सीखें।'

'गिल ने सभी चीजों को एक तरफ रखते हुए एक बल्लेबाज के रूप में मैदान पर उतरकर प्रमुख पारिया खेली। उन्होंने बर्मिंघम में रन बनाए, जब भारत 0-1 से पीछे था तब उन्होंने बड़ा स्कोर बनाया। उन्होंने हेडिंग्ले में भी रन बनाए। हम लॉर्ड्स में हार गए थे और कई लोगों ने उनकी बल्लेबाजी पर सवाल उठाए। जब सब कुछनीचे था, तब वह क्रीज़ पर आए, पूरे नियंत्रण में रहे और शानदार बल्लेबाजी की। हा, उन्हें कुछ जीवनदान मिले, लेकिन मुझे लगता है कि वह शानदार थे।'

ओवल में मिल सकता है अभिमन्यु को अवसर

इंग्लैंड । बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन को इंग्लैंड दौरे पर अब तक एक भी मैच में अवसर नहीं मिला है। अभिमन्यु पिछले चार साल से टीम के साथ हैं पर उन्हें अब तक डेब्यू का मौका नहीं मिला है जबकि उनका घरेलू क्रिकेट का रिकार्ड अच्छा है। इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भी अभिमन्यु ने भारत ए टीम की कप्तानी की थी। उसके सामने ही 15 खिलाड़ियों को डेब्यू का अवसर मिल है पर वह बैंच पर ही बैठा अपनी बारी का इंतजार करता रह गय है। इस दौरान तीन कोच और कप्तान तक बदले हैं पर किसी ने भी उसे अवसर नहीं दिया है। वहीं अब 31 जुलाई से ओवल में होने वाले पांचवे व अंतिम टेस्ट में अभिमन्यु को अवसर मिल सकता है। इस मैच में अगर करुण नायर बाहर रहे तो अभिमन्यु को उनकी जगह मिल सकती है। इस बल्लेबाज ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 27 शतक दर्ज हैं और 7,841 रन बनाये हैं। वहीं 31 अर्धशतक भी उनके नाम हैं। अभिमन्यु ईश्वरन के रिकॉर्ड को देखें तो वह इस सीरीज में डेब्यू करने वाले साई सुदर्शन के घरेलू रिकॉर्ड से कहीं आगे हैं। सुदर्शन ने अभी तक कुल 30 फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 36 की औसत से खेलते हुए 1987 रन बनाए हैं। वहीं, अभिमन्यु का बैटिंग औसत 103 मैच खेलने के बावजूद 54 का है। 51 पारियों में सुदर्शन सिर्फ 7 शतक और 5 अर्धशतक ही लगा सके हैं। अनुभव से लेकर बल्लेबाज रिकॉर्ड तक में अभिमन्यु सुदर्शन से कहीं ज्यादा आगे हैं। वहीं पूर्व क्रिकेटर सबा करीम का ये मानना है कि सुदर्शन सिर्फ इसलिए लाइमलाइट में आ गए, क्योंकि आईपीएल 2025 में उनका प्रदर्शन जोरदार रहा था अब कोई टीम अभिमन्यु को आईपीएल में नहीं लेती तो इसका मतलब ये नहीं कि वो बल्लेबाज खराब है। अभिमन्यु ईश्वरन पिछले लगभग 4 साल से स्क्वॉड में आते हैं और पानी पिलाकर घर लौट जाते हैं। ड्रेसिंग रूम में अभिमन्यु ने समय तो बहुत बिता लिया है, लेकिन टीम इंडिया की जर्सी में खेलने का सपना अब तक साकार नहीं हुआ है। इस क्रिकेटर के सामने ही यशस्वी जायस्वाल रजत पाटीदार, ईशान किशन जैसे युवा बल्लेबाज बल्लेबाजों ने डेब्यू किया है।

हांगकांग की टीम के कोच बने श्रीलंका के कौशल सिल्वा

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर कौशल सिल्वा अब हांगकांग की पुरुष क्रिकेट टीम के नया मुख्य कोच की भूमिका में नजर आयेंगे। हांगकांग क्रिकेट बोर्ड ने एशिया कप 2025 को देखते हुए सिल्वा को कोच की जिम्मेदारी दी है। सिल्वा ओपनर और विकेटकीपर रहे हैं। अब वह एशिया कप से पहले हांगकांग की टीम को बेहतर प्रदर्शन के लिए टिप्स देंगे। एशिया कप 2025 में हांगकांग को ग्रुप बी में श्रीलंका, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के साथ जगह मिली है। ऐसे में सिल्वा की जिम्मेदारी टीम को इन मुकाबलों के लिए तैयार करना रहेगा। सिल्वा के करियर की बात करें तो उन्होंने 2011 में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था। वे 7 साल तक श्रीलंका की टेस्ट टीम का हिस्सा रहे। इस दौरान उन्होंने कुल 39 टेस्ट मैच खेले और 74 पारियों में 28.36 की औसत से 2099 रन बनाए। उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 3 शतक और 12 अर्धशतक दर्ज हैं। 2019 में क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद वह कोच बन गये। उनके पासा श्रीलंका, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में घरेलू टीमों की कोचिंग का अनुभव लिया हालांकि वह पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय टीम को कोचिंग देते नजर आएंगे। हांगकांग की टीम ने अब तक चार बार एशिया कप में भाग लिया है।

कुलदीप को अंतिम टेस्ट में भी शायद ही अवसर मिले

मैनचेस्टर। चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव को इंग्लैंड दौरे में अब तक जगह नहीं मिली है ओर जिस प्रकार का प्रदर्शन अभी तक स्पिन ऑलराउंडरों रविन्द्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर ने किया है। उसको देखते हुए कुलदीप को अंतिम मैच में भी शायद ही जगह मिले। कुलदीप को टीम में तभी जगह मिल सकती है। जब टीम तीन स्पिनरों के साथ खेले और ऐसी संभावना कम ही है। अब तक इस सीरीज में कुलदीप को बाहर रखे जाने के कारण टीम संतुलन बताया गया। कोच ओर कप्तान ने माना है कि कुलदीप काफी अच्छे कलाई के स्पिनर हैं परन्तु तेज पिचों को देखते हुए उन्हें अवसर नहीं मिल पा रहा। सुंदर को उनपर वरीयता इसलिए दी जा रही है क्योंकि सुंदर गेंदबाजी के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं। मैनचेस्टर में उन्होंने शतक लगाकर रविन्द्र जडेजा के साथ लंबी साझेदारी की थी। ओल्ड ट्रैफर्ड के मैदान पर डेब्यू करने वाले अंशुल कंबोज कुछ खास नहीं कर पाये। वहीं ऑलराउडर शार्दुल ठाकुर को केवल 11 ओवर ही गेंदबाजी दी गयी। इसके बाद भी कुलदीप की टीम में जगह नहीं बन पाना हैरानी की बात है। वहीं इंग्लैंड के बल्लेबाजों का रिकार्ड देखा जाये तो कलाई के स्पिनरों के सामने वे सहज नहीं रहते उसके बाद भी कुलदीप को अब तक इस सीरीज में बहार रखा गया है।

इंग्लैंड में जिस तरह की क्रिकेट खेली, वह गर्व की बात : गौतम गंभीर

लंदन (एजेंसी)। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि इंग्लैंड का दौरा हमेशा कठिन होता है लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि इस श्रृंखला में जिस तरह की क्रिकेट खेली गई है, उस पर हर क्रिकेटप्रेमी को गर्व होगा। गंभीर श्रृंखला के दौरान टीम के समर्थन के लिये प्रशंसकों को धन्यवाद देने के लिए सोमवार को इंडिया हाउस में संबोधित कर रहे थे। भारत ने चौथे टेस्ट में जीत की कगार पर पहुंचकर मैच ड्रॉ कराया था।

गंभीर ने कहा, 'इंग्लैंड का दौरा हमेशा कठिन होता है क्योंकि दोनों देशों के बीच इतिहास ऐसा है जिसे भुलाया नहीं जा सकता। हमने जब भी ब्रिटेन का दौरा किया है, हमें प्रशंसकों का अपार समर्थन मिला है। हम किसी भी चीज को हलके में नहीं लेते।' उन्होंने कहा, 'पिछले पांच सप्ताह दोनों टीमों के लिए काफी रोमांचक रहे हैं। श्रृंखला में जिस तरह की क्रिकेट खेली गई है, उस पर हर क्रिकेटप्रेमी को गर्व होगा।'

लंदन में भारतीय उच्चायोग द्वारा भारतवंशियों के स्वागत समारोह में भारतीय टीम का समुदाय के नेताओं, सांसदों और खेलप्रेमियों ने जबर्दस्त स्वागत किया। भारत और इंग्लैंड के बीच निर्णायक पांचवां टेस्ट ओवल पर बृहस्पतिवार से खेला जाएगा। गंभीर ने कहा, 'दोनों टीमों ने काफी प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन किया है। हमारे पास एक सप्ताह और है और हम पूरा प्रयास करेंगे कि देशवासियों और यहां मौजूद लोगों को गर्व करने का मौका दें।'

इंग्लैंड में भारत के उच्चायुक्त विक्रम दुरइस्वामी ने कहा कि टीम ने श्रृंखला में जिस तरह का जुझारूपन दिखाया है, वह विषमताओं से लड़ने की देश की इच्छाशक्ति का परिचायक है। उन्होंने कहा, 'यह शानदार श्रृंखला रही है और बेहतरीन भावना के साथ खेली गई। सारे मैच पांच दिन तक चले और रोमांचक रहे। हमारी टीम ने जिस तरह का जुझारूपन दिखाया है, वह नए भारत के जीवट का प्रतीक है। पांचवें टेस्ट का परिणाम चाहे जो हो, हमें अपनी टीम पर गर्व है।'

समारोह के आखिर में कमेंटेटर और पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कप्तान शुभमन गिल समेत कुछ खिलाड़ियों के साथ बातचीत सत्र का संचालन किया। श्रृंखला में अब तक 700 से ऊपर रन बना चुके गिल ने कहा, 'श्रृंखला शुरू होने से पहले मुझे लगा कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पा रहा हूं। मैने अपने खेल पर काफी काम किया और मैं खुद को साबित करना चाहता था।'

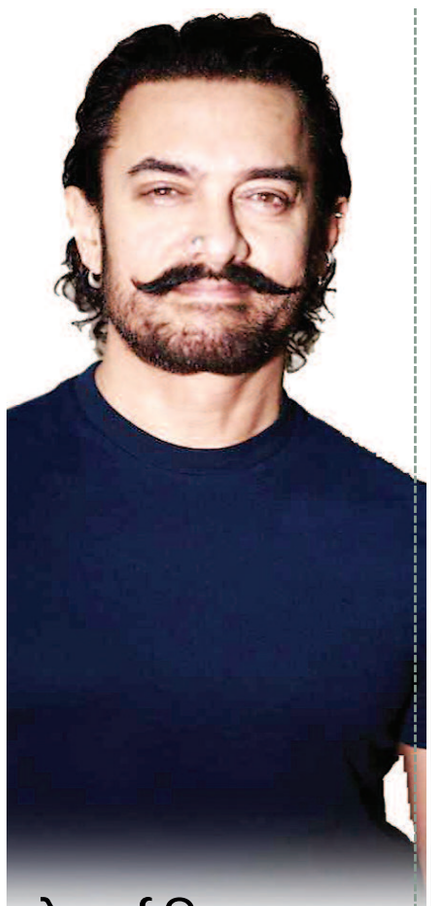

मेलबर्न फिल्म फेस्टिवल में तिरंगा फहराएंगे आमिर खान, 'बदनाम बस्ती' की होगी स्क्रीनिंग

आमिर खान अगस्त में आयोजित 16वें द इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस फिल्म फेस्टिवल में वह तिरंगा भी फहराएंगे। उनकी हालिया रिलीज फिल्म सितारे जमीन पर की स्पेशल स्क्रीनिंग भी निर्धारित है। फेस्टिवल डायरेक्टर मितु भौमिक लांगे ने बताया, फिल्म फेस्टिवल में राष्ट्रीय ध्वज फहराना केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि एक भावनात्मक और एकजुट करने वाला अनुभव है। विदेशी धरती पर तिरंगा लहराते देखना भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई समुदाय के बीच गर्व का क्षण है। आमिर खान के सिनेमाई नजरिए ने विश्व स्तर पर दर्शकों को प्रभावित किया, इस पल का नेतृत्व करेंगे, जो हमारे लिए सम्मान की बात है।

उन्होंने कहा कि आमिर की मौजूदगी भारतीय कहानियों की ताकत और आईआईएफएम के मूल्यों, समानता और विविधता में एकता को दिखाती है। इस फिल्म फेस्टिवल में उनकी हालिया रिलीज फिल्म सितारे जमीन पर की स्पेशल स्क्रीनिंग भी निर्धारित है। फेस्टिवल के 16वें संस्करण में आमिर खान के भारतीय सिनेमा में योगदान को एक स्पेशल सेक्शन के जरिए सम्मानित किया जाएगा। इस सेग्मेंट में चुनिंदा फिल्मों का प्रदर्शन होगा, जिसमें उनकी फिल्म सितारे जमीन पर भी शामिल है। विक्टोरिया सरकार द्वारा समर्थित आईआईएफएम, भारत के बाहर सबसे बड़ा भारतीय फिल्म फेस्टिवल है, जो विविध और प्रभावशाली भारतीय कहानियों को प्रदर्शित करता है। इस बार महोत्सव में 75 फिल्में दिखाई जाएंगी, जो जेंडर, नस्ल, दिव्यांगता और महिला प्रतिनिधित्व जैसे विषयों पर बनी हैं। फिल्म फेस्टिवल में निर्माता प्रेम कपूर की 1971 की फिल्म 'बदनाम बस्ती' का रीस्टोर्ड वर्जन की स्क्रीनिंग होगी। इसे भारत की पहली समलैंगिक फिल्म माना जाता है, जो अपने समय से आगे की कहानी प्रस्तुत करती है। यह फिल्म एलजीबीटीक्यू प्लस प्राइड नाइट के दौरान 22 अगस्त को दिखाई जाएगी, जो क्वीर सिनेमा और दक्षिण एशियाई क्वीर पहचान को समर्पित आयोजन होगा। फिल्म फेस्टिवल की शुरुआत अभिनेत्री तिलोत्तमा शोम की बंगाली फिल्म 'बक्शो बोंदी – शैडोबॉक्स' से होगी। तनुश्री दास और सौम्यानंद साही के निर्देशन में बनी इस फिल्म का वर्ल्ड प्रीमियर बर्लिन फिल्म फेस्टिवल 2025 में हुआ था।

वॉर 2 में क्यों नहीं हैं वाणी कपूर? मेकर्स के सामने रखी थी ये शर्त!

वॉर 2 का ट्रेलर रिलीज के ठीक पहले वाणी कपूर ने खुलासा किया है कि सीक्वल का हिस्सा क्यों नहीं हैं। वॉर 2 में ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के अलावा कियारा आडवाणी हैं। वाणी कपूर साल 2019 में आई ब्लॉकबस्टर की फिल्म वॉर का हिस्सा थीं, जिसमें ऋतिक रोशन और टाइगर श्रॉफ भी थे, पर वह वॉर 2 में नजर नहीं आएंगी। वॉर 2 का ट्रेलर 25 जुलाई को रिलीज है, और इससे ठीक पहले ही वाणी ने खुलासा किया है कि वह इस फिल्म का हिस्सा क्यों नहीं हैं। मालूम हो कि वॉर में वाणी ने नैना का रोल प्ले किया था और वह टाइगर श्रॉफ के ऑपोजिट थीं। अब वॉर 2 में ऋतिक रोशन, जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी हैं। वाणी कपूर इस वक्त अपनी सीरीज मंडला मर्डर्स को लेकर चर्चा में हैं, जो 25 जुलाई को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इसे यशराज फिल्म्स ने ही बनाया है। इसके प्रमोशन के दौरान वाणी कपूर ने सिद्धार्थ कनन को दिए इंटरव्यू में वॉर 2 के बारे में बात की।

वाणी कपूर ने बताया वह क्यों नहीं हैं वॉर 2 का हिस्सा

वाणी कपूर से जब पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि उन्हें वॉर 2 का हिस्सा होना चाहिए था, तो वह बोलीं, नहीं, मैं टीम को शुभकामनाएं देती हूं। मैं बहुत आभारी हूं कि मुझे कम से कम वॉर जैसी फिल्म का हिस्सा बनने का मौका मिला। वॉर 2 खूबसूरत लग रही है। यह लार्जर देन लाइफ फिल्म है। पूरी टीम को बधाई।

अगर टाइगर वापस आता है तो...

वाणी ने आगे कहा, मैं, सिड (सिद्धार्थ आनंद) और टाइगर सीक्वल (वॉर 2) का हिस्सा नहीं हैं। वॉर में मैं और टाइगर दोनों ही मर गए थे। तो मैंने कहा कि अगर टाइगर वापस आता है तो मैं भी आऊंगी।

वॉर साल 2019 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक थी। फिल्म के जबरदस्त एक्शन सीन्स की खूब तारीफ हुई थी। सैक्निल्क के मुताबिक, इसने देशभर में 318.01 करोड़ और वर्ल्डवाइड 471 करोड़ का कलेक्शन किया था। वॉर 2 से भी कुछ ऐसी ही उम्मीदें हैं।

क्या वॉर 2 में चलेगा ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर का जादू?

फिल्म वॉर 2 के जरिए पहली बार ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर किसी फिल्म में साथ नजर आएंगे, जिसे लेकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं। वॉर 2 में डायरेक्शन की कमान सिद्धार्थ आनंद की जगह अयान मुखर्जी के हाथों में है। यह फिल्म 14 अगस्त को हिंदी के अलावा तमिल और तेलुगू भाषा में भी रिलीज होगी। फिल्में आशुतोष राणा भी अहम रोल में हैं।

क्योंकि 2.... में मिहिर के रूप में वापसी कर रहे हैं अमर उपाध्याय

भारतीय टेलीविजन के लोकप्रिय शो में से एक की शानदार वापसी हो रही है। क्योंकि सास भी कभी बहू थी अपने बहुप्रतीक्षित दूसरे सीज़न के साथ वापस आ गया है और इसके साथ ही एक ऐसे किरदार का पुनर्जन्म भी हुआ है, जो कभी प्राइम-टाइम टीवी की पहचान हुआ करता था। मिहिर विरानी के रूप में लाखों लोगों के चहेते अमर उपाध्याय, अपनी इस शानदार भूमिका को फिर से निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिससे दर्शकों की पीढ़ियों में उत्साह की लहर दौड़ जाएगी। इस 29 जुलाई से रात 10:30 बजे स्टार प्लस पर प्रीमियर होने वाला यह शो पुरानी यादों, ड्रामा और घर वापसी के ज़बरदस्त एहसास का वादा करता है। स्टार प्लस द्वारा हाल ही में जारी एक रील में, अमर उपाध्याय खुद उस भावुक और रोमांचक पल को साझा करते हैं, जब उन्हें सीज़न 2 के लिए संपर्क किया गया था। खुलकर बात करते हुए, वह उस कॉल को याद करते हैं जिसने उन्हें क्योंकि की विरासत की याद दिला दी। उन्होंने कहा, हम क्योंकि सीज़न 2 की शूटिंग कर रहे हैं। अपनी तारीखें तय कर लीजिए, और अमर के लिए इसमें कोई झिझक नहीं थी। हाँ, बिल्कुल, मैं तैयार हूँ! वह मुस्कुराते हुए कहते हैं, जो इस शो और इसके दर्शकों के लिए उनके गहरे प्यार और जुड़ाव को दर्शाता है। यह रील न केवल अमर के शब्दों से, बल्कि उस शो को वापस लाने के महत्व से भी पुरानी यादें ताज़ा करती है जिसने कभी भारतीय टीवी की तस्वीर ही बदल दी थी। तुलसी और मिहिर, जो किरदार घर-घर में मशहूर हो गए थे, के बीच की केमिस्ट्री कुछ ऐसी है जिसे प्रशंसक लंबे समय से मिस कर रहे थे और अब, शो की वापसी के साथ, उत्साह साफ़ दिखाई दे रहा है।

अमर ने अपने सह-कलाकारों, खासकर स्मृति ईरानी, जिन्होंने तुलसी का प्रतिष्ठित किरदार निभाया था, के साथ अपने खूबसूरत रिश्ते का भी ज़िक्र किया। दोनों किरदारों के बीच एक सहजता और समझ है, जो पर्दे पर सहजता से झलकती है। उन्होंने आगे कहा कि कलाकारों के साथ सेट पर वापस आना काम से ज़्यादा परिवार से मिलने जैसा लगता है। गर्मजोशी, विश्वास और साझा यादें शूटिंग के हर दिन को खास बनाती हैं, और उसी जादू को जीवंत करती हैं जिसने कभी लाखों लोगों के दिलों पर कब्ज़ा किया था। वीडियो को एक भावपूर्ण निमंत्रण के साथ समाप्त करते हुए, अमर दर्शकों से आग्रह करते हैं, 29 जुलाई को रात 10:30 बजे हमें ज़रूर देखें। और इसके साथ ही, टेलीविजन के सबसे प्रतिष्ठित कमबैक्स में से एक की उल्टी गिनती आधिकारिक तौर पर शुरू हो जाती है। भारतीय टेलीविजन इतिहास के सबसे यादगार चेहरों में से एक, मिहिर के रूप में अमर उपाध्याय की वापसी महज एक कास्टिंग निर्णय से कहीं अधिक है; यह विरासत का उत्सव है!

कब आएगी 'एनिमल 2' बॉबी देओल ने दिया जवाब

बॉलीवुड अभिनेता बॉबी देओल शानदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं। एक्टर की फिल्म एनिमल को दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया गया था और उनकी एक्टिंग को भी खूब सराहना मिली थी। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें बॉबी देओल ब्लैक टीशर्ट और सिर पर कैप लगाए दिख रहे हैं। अभिनेता को फैंस का अभिवादन स्वीकार करते देखा जा सकता है। इसी दौरान किसी पैप्स ने एक्टर से पूछा कि एनिमल 2 कब आ रही है? इसके जवाब में अभिनेता ने कहा कि उन्हें नहीं पता कब आ रही है। फिर पैप्स ने कहा कि वो इस फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। अंत में बॉबी अपनी कार में बैठकर वहां से चले जाते हैं। इस वीडियो के वायरल होते ही नेटिजंस की प्रतिक्रियाएं आने लगी हैं। एक यूजर ने लिखा कि एनिमल 2 शानदार होगी। दूसरे यूजर ने कहा कि एनिमल मूवी जल्द रिलीज होने वाली है। इसके अलावा अन्य यूजर्स बॉबी देओल के लुक को पंसद कर रहे हैं और लाल दिल वाला इमोजी बनाकर कमेंट्स कर रहे हैं।

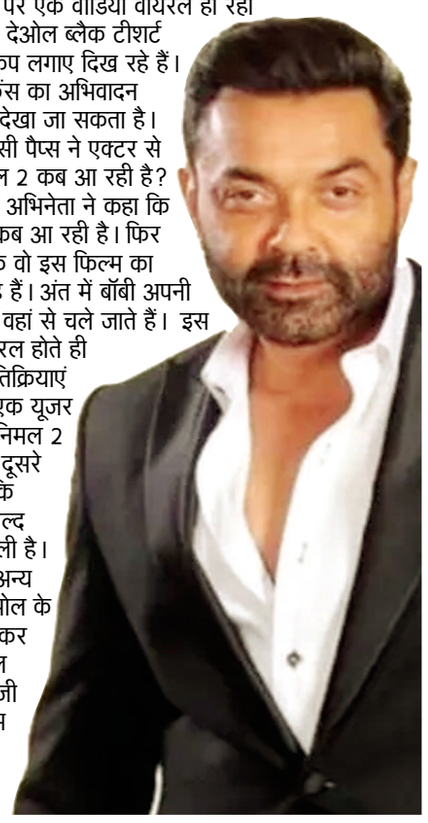

साउथ की फिल्मों के सेट पर अनुशासन देखने को मिलता है

अभिनेत्री पायल घोष ने साउथ इंडस्ट्री और बॉलीवुड की तुलना करते हुए अपनी बातें रखी। उन्होंने बताया कि बॉलीवुड की तुलना में साउथ इंडस्ट्री में प्रोफेशनल तरीके के साथ काम किया जाता है। अभिनेत्री ने कहा, मैंने साउथ और बॉलीवुड दोनों इंडस्ट्री में काम किया है और दोनों में मेरा काम करने का अनुभव काफी अच्छा रहा, जिसके लिए मैं बहुत आभारी हूं। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें साउथ इंडस्ट्री बॉलीवुड के मुकाबले थोड़ा ज्यादा प्रोफेशनल लगता है। साउथ इंडस्ट्री में लोगों को पता रहता है कि उन्हें क्या करना है और कमाल की बात यह है, जब वहां की फिल्में शूट होती है, तो उस दौरान सभी का व्यवहार एक दूसरे को लेकर समान देखने को मिलता है, चाहे वह मुख्य कलाकार हो या फिर कोई क्रू। उन्होंने आगे कहा कि दक्षिण की फिल्मों के सेट पर अनुशासन होता है, लेकिन बॉलीवुड में अपने हिसाब से काम करने में विश्वास रखा जाता है। दोनों इंडस्ट्री के बीच अंतर बताते हुए अभिनेत्री ने कहा,साउथ में सीन ज्यादा होते हैं। वह फिल्म की स्टोरी बोर्ड में जो तैयार करते हैं, उसे ही फॉलो करते हैं और इतना ही नहीं, वह प्रोडक्शन और पोस्ट प्रोडक्शन पर भी उसी प्रक्रिया को लागू करते हैं। दूसरी ओर, बॉलीवुड में कई बार जो योजना बनाई जाती है और जो लागू होता है, उन दोनों में जमीन आसमान का फर्क होता है। कई बार शॉट्स ले लिए जाते हैं और उन्हें एडिटर के लिए छोड़ दिया जाता है, और रवैया यह होता है कि एडिट में देख लेंगे। पायल ने अंत में बताया कि दोनों इंडस्ट्री के सकारात्मक और नकारात्मक पहलू हैं।

मन्नारा चोपड़ा ने खुद को किया मोटिवेट, बोलीं - अब मुझे आगे बढ़ना है

अभिनेत्री मन्नारा चोपड़ा अपने पिता रमन रॉय के निधन से धीरे-धीरे उबर रही हैं। अभिनेत्री ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर तस्वीर शेयर करते हुए कहा कि कई दिनों के बाद तैयार होने के लिए कुछ पल निकाले। अभिनेत्री मन्नारा चोपड़ा ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर दो सेल्फी शेयर की। पहली तस्वीर शेयर कर मन्नारा ने लिखा, कई दिनों के बाद कुछ पल निकाले... मां कहती थी... मुझे फ्रेश दिखना चाहिए, जिसके लिए मैं अब तैयार हो रही हूं। दूसरी तस्वीर शेयर कर अभिनेत्री ने लिखा, मैंने आज गाड़ी चलाई, क्योंकि गाड़ी चलाना मुझे याद दिलाता है कि मुझे अभी जिंदगी में आगे बढ़ना है।

बता दें, अभिनेत्री के पिता रमन राय हांडा का निधन 16 जून को 72 वर्ष की आयु में हो गया था। मन्नारा के पिता पेशे से दिल्ली हाई कोर्ट में वकील थे। अपने पिता के निधन की जानकारी अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम के जरिए दी थी। उन्होंने एक फोटो के साथ ओम नमः शिवाय से शुरुआत करते हुए लिखा, गहरे दुख और शोक के साथ हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे पिता का निधन हो गया। वे हमारे परिवार की ताकत और सहारा थे। मन्नारा के पिता रमन, पिछले कुछ समय से बीमार थे। वह परिवार के साथ मुंबई में ही रहते थे। अभिनेत्री की मां और प्रियंका चोपड़ा की बुआ, कामिनी चोपड़ा हांडा, एक ज्वेलरी डिजाइनर हैं। वर्कफ्रंट की बात करें, तो अभिनेत्री ने अपने करियर की शुरुआत फिल्म जिद से की थी। साउथ की फिल्मों में मन्नारा बड़ी एक्ट्रेस के तौर पर जानी जाती हैं। अभिनेत्री बिग बॉस 17 में दूसरी रन-अप रही थीं, जिसके बाद उनकी लोकप्रियता और बढ़ गई थी। हाल ही में अभिनेत्री को कॉमेडी रिएलिटी शो लाफ्टर शेफ्स फन अनलिमिटेड-2 में देखा गया था। शो में उनके साथ कृष्णा अभिषेक, राहुल वैद्य, करण कुंद्रा, निया शर्मा, रीम शेख, सुदेश लहरी, एल्विश यादव, रुबीना दिलैक, अली गोनी और कश्मीरा शाह भी प्रतियोगी हैं। इस शो की मेजबानी भारती सिंह और जज हरपाल सिंह सोखी कर रहे हैं।

अर्जुन कपूर ने की क्रिप्टिक पोस्ट, लिखा- जिंदगी में मौजूद लोगों...

अर्जुन कपूर की एक्टिंग जर्नी के साथ-साथ पर्सनल लाइफ भी काफी चर्चा में रही है। मलाइका अरोड़ा के साथ ब्रेकअप के बाद वह खुद को सिंगल बता चुके हैं। छह साल रिलेशनशिप में रहने के बाद वह मलाइका से अलग हो गए थे। हाल ही में अर्जुन कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पेज के स्टोरी सेक्शन में एक पोस्ट साझा की। जिसमें रिश्तों को लेकर एक क्रिप्टिक पोस्ट की है।

अर्जुन कपूर अपनी पोस्ट में लिखते हैं, 'जिंदगी में मौजूद लोगों के बारे में आपका दिल जो कहता है, उस बात को जरूर सुनें।' इस क्रिप्टिक पोस्ट के जरिए अर्जुन कपूर किसकी तरफ इशारा कर रहे हैं, यह साफ नहीं हुआ। लेकिन इतना जरूर है कि वह रिश्तों को लेकर अलर्ट रहने की बात कर रहे हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327, E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।